RNI:
UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 225
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शुक्रवार, 08 दिसम्बर, 2023

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं की डेटशीट जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की तरफ से यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं, 12वीं की फाइनल डेटशीट जारी कर दी गई है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (क्स्स्क) की तरफ से बताया गया है कि यूपी बोर्ड हाई स्कूल (कक्षा 10) और इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षाएं 22 फरवरी से शुरू होंगी और 09 मार्च को समाप्त होंगी।

पिछली बार की तुलना में कम पंजीकरण

यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 के लिए कुल 55,08,206 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। यह संख्या 2023 की तुलना में कम है, पिछली बार बोर्ड परीक्षा के लिए 58,84,634 छात्रों ने पंजीकरण कराया था।

UPMSP 2024 प्रैक्टिकल परीक्षा

यूपी बोर्ड कक्षा 12वीं के लिए प्री-बोर्ड प्रैक्टिकल परीक्षा स्कूल स्तर पर मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापकों द्वारा 5 जनवरी से 12 जनवरी 2024 तक आयोजित की जाएगी। यूपी बोर्ड कक्षा 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा 25 जनवरी से 01 फरवरी और 02 फरवरी से 9 फरवरी 2024 तक दो चरणों में आयोजित की जाएगी।

बेटियों को सशक्त बनाने की आज से चलेगी मुहिम

अमेठी सिटी। बालिका शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर शुक्रवार से 12 दिसंबर तक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से 60 स्थानों पर जागरूकता की मुहिम चलाई जाएगी। समग्र शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में बालिका शिक्षा के मुद्दों पर जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी वैन से विभाग की ओर से उपलब्ध कराई फिल्मों के माध्यम से योजनाओं के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसमें लोगों को निपुण प्रदेश, दीक्षा ऐप, शारदा कार्यक्रम-आपरेशन कायाकल्प, डीबीटी एवं बालिका शिक्षा के लिए संचालित योजनाओं के संबंध में जागरूक किया जाएगा। इतना ही बालिका शिक्षा के मुद्दों पर विशेष तौर पर जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों से फीड बैक लेते हुए राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

बाबा बालकनाथ की राजस्थान सीएम पद पर दावेदारी मजबूत

गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद अटकलें हुई तेज

एजेंसी

रोहतक। राजस्थान में सीएम की कुर्सी को लेकर तिजारा विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित होने के बाद अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के महंत बालकनाथ योगी की दावेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। बाबा ने लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा देने के साथ-साथ दिल्ली में सक्रियता बढ़ी हुई है। गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद अटकलों का बाजार गरम हो गया। सीएम पद के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और बाबा बालकनाथ का भी नाम सबसे ऊपर आ रहा है। हालांकि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सीएम के चयन को लेकर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। ऐसे में राजस्थान के सीएम के लिए नाम शनिवार और रविवार तक घोषित किया जा सकता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ पहले ही कर चुके सीएम पद के लिए पैरवी

बाबा मस्तनाथ मठ नाथ संप्रदाय का बड़ा केंद्र है। इस मठ की राजनीति में भी बड़ी भागीदारी रही है। बाबा बालकनाथ मठ से तीसरे महंत हैं, जो सक्रिय राजनीति में हैं। 2019 में अलवर लोकसभा से सांसद निर्वाचित हुए। अब राजस्थान विधानसभा चुनाव में बाबा बालकनाथ को तिजारा विधानसभा सीट से मैदान में उतरा। बाबा ने इस सीट पर कमल खिलाने के साथ ही राजस्थान के सीएम पद के दावेदार हो गए। चुनाव प्रचार के दौरान उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ उनको सीएम बनाने की पैरवी पहले ही कर चुके हैं।

राजनीतिक समीक्षकों की मानें तो उत्तरप्रदेश के बाद राजस्थान में भी साधु को सीएम बनाकर भाजपा 2024 लोकसभा चुनाव में इसका फायदा उठा सकती है। राजनीति के खिलाड़ी हैं बालक नाथ 39 वर्षीय बाबा बालक नाथ ने राजनीतिक गुर अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत चांदनाथ योगी से सीखे। महंत चांदनाथ ने बाबा बालकनाथ को 29 जुलाई 2016 को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।

राजनीति में भी दिखाई हासिल महारत

महंत चांदनाथ के ब्रह्मलीन होने के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और योग गुरु बाबा रामदेव की मौजूदगी में 19 सितंबर 2017 को बाबा मस्तनाथ मठ का मठाधीश घोषित किया गया था। चांदनाथ अलवर से सांसद थे। 2019 में भाजपा ने अलवर से बालकनाथ को मैदान में उतारा और वह जीतकर सांसद बन गए। जब विधानसभा चुनाव में उतारा तो कयास लगने शुरू हो गए थे कि भाजपा बहुमत में आई तो बाबा बालकनाथ सीएम बन सकते हैं। बाबा बालकनाथ को जब भी राजनीति में कोई अवसर मिला, उसे हाथ से नहीं जाने दिया। राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया है।

रेणुका सिंह बनेंगी छत्तीसगढ़ की सीएम!

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से की मुलाकात

एजेंसी

भरतपुर-सोनहत सीट से चुनाव जीतने वाली रेणुका सिंह ने गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। रेणुका सिंह और जेपी नड्डा के बीच करीब 30 बातचीत हुई।

रायपुर। छत्तीसढ़ में अभी सीएम फेस को लेकर सस्पेंस बरकार है। भरतपुर-सोनहत सीट से चुनाव जीतने वाली रेणुका सिंह ने गुरुवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। रेणुका सिंह और जेपी नड्डा के बीच करीब 30 बातचीत हुई। मुख्यमंत्री के फेस को लेकर अभी कोई ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन उससे पहले मुलाकात हुई है। सीएम के ऐलान से पर मुलाकात को लेकर अलग-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। बता दें कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव बिना किसी चेहरे के लड़ा और जीता। इसीलिए अभी तक कोई चेहरे नहीं मिल सका है। तीन दिसंबर को चुनाव के नतीजे आने के बाद चार दिन बीत चुके हैं और अभी चेहरे की तलाश है, लेकिन रेणुका सिंह की इस बीच मुलाकात एक नया मोड़ लेकर आई है। वहीं, अभी तक सीएम न तय कर पाने को लेकर कांग्रेस ने तंज कसना शुरू कर दिया है। वहीं, दिल्ली में जेपी नड्डा का घर का पावर सेंटर बना हुआ है। मुलाकातों का दौर जारी है। अभी राजस्थान में भी सीएम चेहरा सामने नहीं आ सका है। रेणुका सिंह के अलावा छत्तीसगढ़ में सीएम फेस अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। इनमें रमन सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का नाम शामिल है। प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और रेणुका सिंह दोनों ही लोकसभा सांसद भी रहे हैं। ऐसा भी माना जा रहा है कि भाजपा इस बार किसी नए चेहरे को सीएम बना सकती है। फिलहान विधायकी का चुनाव जीतने के बाद दोनों सांसदों नए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अब सीएम के लिए किस का नाम सामने आता है, इसका इंतजार है।

शराब बिक्री पर लगा 30 साल का प्रतिबंध हटा

कैबिनेट बैठक में लिया गया था फैसला

एजेंसी

इम्फाल। सोमवार को मणिपुर सरकार की बैठक में शराब प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। गुरुवार को एक गजट जारी हुआ। जिसके तहत राज्य में शराब प्रतिबंध पर लगी रोक को हटाया गया।

मणिपुर सरकार ने राज्य में शराब की बिक्री और खपत को वैध कर दिया है। बता दें 30 सालों से अधिक समय से राज्य में शराब प्रतिबंध है। एक अधिकारी ने बताया कि शराब अब ग्रेटर इंफाल, जिला मुख्यालयों, पर्यटन स्थलों और कम से कम 20 आवास कमरों वाले पंजीकृत होटल प्रतिष्ठानों में बेची या खरीदी जा सकती है। बुधवार को जारी एक गजट अधिसूचना के मुताबिक, मणिपुर शराब निषेध अधिनियम 1991 की धारा 1 की उपधारा(2) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मणिपुर राज्य के क्षेत्रों से मणिपुर के राज्यपाल उक्त अधिनियम को वापस लेते हैं। बता दें 1991 में मणिपपुर शराब निषेध अधिनियम लागू होने के बाद से मणिपुर में शराब बिक्री और पीने पर प्रतिबंध लग गया था। अधिकारी ने कहा, शराब की बिक्री से राज्य को सालाना कम से कम 600 करोड़ रुपये कमाने में मदद मिलेगी। शराबबंदी वापस लेने का फैसला सोमवार को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया था।

नवाब मलिक को लेकर महाराष्ट्र में सियासी तकरार!

फडणवीस ने अजित पवार को पत्र लिख जताया ऐतराज

एजेंसी

भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि सत्ता आती है और जाती है। लेकिन सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण देश है। फिलहाल वह सिर्फ मेडिकल आधार पर जमानत पर बाहर हैं। अगर उन पर लगे आरोप साबित नहीं हुए तो हमें उनका स्वागत करना चाहिए। एनसीपी विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति तेज हो गई है। आज नवाब मलिक ने शीतकालीन सत्र के मौके पर विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लिया। इस समय हॉल में इस बात पर काफी बहस चल रही थी कि आखिर वह कहां बैठेंगे। लेकिन अंततः उन्होंने सत्तारूढ़ पीठ पर बैठने का फैसला किया। यानि कि नवाब मलिक अजित पवार गुट के साथ रहे जो महाराष्ट्र सरकार में शामिल है। अब इसी को लेकर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार को पत्र लिखा है।

देवेन्द्र फड़नवीस ने एनसीपी नेता अजित पवार को पत्र लिखकर एनसीपी नेता नवाब मलिक को महायुति (महागठबंधन) में शामिल नहीं करने के लिए कहा। देवेन्द्र फडणवीस ने अपने पत्र को ट्विटर और फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सत्ता आती है और जाती है। लेकिन सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण देश है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार को लिखे पत्र में फडणवीस ने कहा, पूर्व मंत्री और विधानसभा सदस्य नवाब मलिक आज विधानमंडल परिसर आये और कार्यवाही में भाग लिया। विधान सभा सदस्य के रूप में उन्हें भी यह अधिकार प्राप्त है। मैं शुरू में ही स्पष्ट कर दूं कि हमारी उनसे कोई व्यक्तिगत दुश्मनी या शिकायत नहीं है। लेकिन, जिस तरह से उन पर आरोप लगाए गए हैं, उसे देखते हुए हमारी राय है कि उन्हें महागठबंधन में लेना उचित नहीं होगा। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि सत्ता आती है और जाती है। लेकिन सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण देश है। फिलहाल वह सिर्फ मेडिकल आधार पर जमानत पर बाहर हैं। अगर उन पर लगे आरोप साबित नहीं हुए तो हमें उनका स्वागत करना चाहिए। हालांकि, हमारी स्पष्ट राय है कि ऐसे आरोप लगने पर उन्हें महागठबंधन का हिस्सा बनाना ठीक नहीं है। बेशक, यह चुनना पूरी तरह हमारा अधिकार है कि किसे हमारी पार्टी में शामिल करना है। हालांकि, हर घटक दल को यह सोचना होगा कि वह महागठबंधन में बाधा नहीं बनेगी, इसलिए हम इसके खिलाफ हैं। देवेन्द्र फडणवीस ने आगे लिखा, अगर उन्हें देशद्रोहियों से संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार भी कर लिया जाए, तो भी हम तत्कालीन मुख्यमंत्री और महा विकास अघाड़ी सरकार के विचारों से सहमत नहीं हो पाएंगे, जिसने उन्हें मंत्री बनाए रखा। मुझे आशा है कि आप हमारी भावनाओं पर ध्यान देंगे।

नरेंद्र तोमर समेत तीन केंद्रीय मंत्रियों का इस्तीफा मंजूर

अर्जुन मुंडा को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का प्रभार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और रेणुका सिंह सरुता का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से मंजूर कर लिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का प्रभार सौंपा है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री और डॉ. भारती प्रवीण पवार को उनके मौजूदा पोर्टफोलियो के अलावा जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री का प्रभार सौंपा है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और प्रह्लाद सिंह पटेल समेत भाजपा के 10 सांसदों ने बुधवार को इस्तीफा दिया था। इनमें किरोणीलाल मीणा राज्यसभा के सदस्य थे। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा के उन नौ सांसदों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए थे, जिन्हें हालिया विधानसभा चुनावों में विधायक चुना गया था। सभी ने बुधवार को अपना इस्तीफा सौंपा था। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन को बताया कि राजस्थान प्रदेश के जयपुर ग्रामीण से सांसद राज्यवर्धन राठौड़, राजसमंद से दीया कुमारी, मध्य प्रदेश के मुरैना से नरेन्द्र सिंह तोमर, दमोह से प्रह्लाद पटेल, जबलपुर से राकेश सिंह, सीधी से रीति पाठक, होशंगाबाद से उदय प्रताप सिंह तथा छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से गोमती साय और बिलासपुर से सांसद अरुण साव ने इस्तीफा दिया है।

अग्नि-1 मिसाइल का हुआ सफल ट्रेनिंग लॉन्च

अग्नि 1 मिसाइल साथ ले जा सकती है 1000 किलो का परमाणु हथियार

एजेंसी

भुवनेश्वर। अग्नि 1 मिसाइल की मारक क्षमता 700 किलोमीटर तक की है। इस मिसाइल का भार 12 टन है और यह 1,000 किलो के परमाणु हथियार को अपने साथ ले जा सकती है। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का ट्रेनिंग लॉन्च गुरुवार को सफलतापूर्वक किया गया। रक्षा मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का प्रशिक्षण प्रक्षेपण सफलता से किया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किए गए इस ट्रेनिंग लॉन्च ने सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया। बता दें अग्नि 1 मिसाइल की मारक क्षमता 700 किलोमीटर तक की है। इस मिसाइल का भार 12 टन है और यह 1,000 किलो के परमाणु हथियार को अपने साथ ले जा सकती है। अग्नि 1 मिसाइल को उन्नत सिस्टम प्रयोगशाला ने रक्षा अनुसंधान विकास प्रयोगशाला और रिसर्च सेंटर इमरात के साथ मिलकर विकसित किया है। मिसाइल को हैदराबाद स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने पूरा किया है। इस मिसाइल को सबसे पहले साल 2004 में सेवा में लिया गया था। जमीन से जमीन पर वार करने वाली इस मिसाइल को सॉलिड प्रॉपलैंट्स द्वारा बनाया गया है।

सहारनपुर में पलटा ट्रेन का कोच, एक यात्री की मौत

13 घायल, मॉकड्रिल में NDRF की टीम ने ऐसे किया बचाव कार्य

एजेंसी

सहारनपुर। रेलवे स्टेशन के पास लाइन नंबर 13 पर ब्रेकडाउन क्रेन से ट्रेन के कोच को पलटवाया गया। इसके बाद दोपहर 12 बजे ट्रेन का कोच दुर्घटनाग्रस्त होते ही सायरन बज उठा।

सहारनपुर में रेलवे स्टेशन के नजदीक बृहस्पतिवार दोपहर बड़ा घटनाक्रम हुआ। ट्रेन का कोच पलटने के कारण उसमें आग लग गई, जिसमें एक यात्री की मौत हुई और 13 घायल हुए। जिन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए अस्पताल में पहुंचाया। दरअसल, यह कोई हादसा नहीं था, बल्कि रेलवे और एनडीआरएफ की तरफ से कराई जा रही मॉकड्रिल का हिस्सा था। जिसमें सबकुछ उसी तरह दर्शाया गया जैसे ट्रेन हादसा हो गया हो। डेढ़ घंटे तक चली मॉकड्रिल में एनडीआरएफ की 40 सदस्यीय टीम ने बचाव कार्य किया। बृहस्पतिवार को सुबह 11 बजे रेलवे स्टेशन के पास लाइन नंबर 13 पर ब्रेकडाउन क्रेन से ट्रेन के कोच को पलटवाया गया। इसके बाद दोपहर 12 बजे ट्रेन का कोच दुर्घटनाग्रस्त होते ही सायरन बज उठा। इस पर आरपीएफ, जीआरपी, मैकेनिकल, इंजीनियरिंग, कॉमर्शियल, विद्युत आदि विभागों के अधिकारी, कर्मचारी अलर्ट हो गए और घटनास्थल पर पहुंचे। देखा कि ट्रेन के कोच में आग भी लग गई।

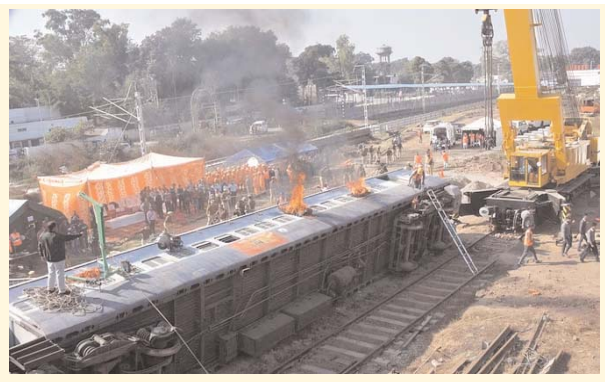

इसके बाद रेलवे की एआरटी टीम ने कोच की छत को मशीन से काटना शुरू किया तो वहीं अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू किया। टीम ने बड़ी मुश्किल से तीन यात्रियों को अंदर से बाहर निकाला। दोपहर 12:30 बजे एनडीआरएफ को बुलाना पड़ा। एनडीआरएफ के दो स्निफर डॉग ने कोच के चारों तरफ का निरीक्षण किया। इसके बाद गाजियाबाद एनडीआरएफ आठ बटालियन के डिप्टी कमांडेंट एसके मौर्य के नेतृत्व में टीम ने गैस व हाइड्रोलिक कटर से धराशायी हुए कोच के खिड़कियों को काटना शुरू किया।

इससे पहले दोपहर 1:27 बजे तक सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया। कोच से यात्रियों को रस्से से बांधकर भी लाया गया। घायलों को मेडिकल कैंप लाया गया। जहां इलाज शुरू हुआ। इसमें 13 घायल हुए, जबकि एक यात्री की मौत हुई। आठ यात्रियों की हालत गंभीर होने के चलते जिला अस्पताल रेफर किया। ऐसा हकीकत में नहीं बल्कि यह सब मॉकड्रिल के दौरान हुआ।

एंबुलेंस के सायरनों से मची खलबली

रेलवे स्टेशन पर दोपहर 12 बजे ट्रेन दुर्घटना की जानकारी मिली तो खलबली मच गई। दो एंबुलेंस तेज रफ्तार से सायरन बजाते हुए शहर से गुजरीं तो लोग हैरान थे। एसडीएम सदर युवराज सिंह और सीओ द्वितीय रामकरण गाड़ी को दौड़ाते हुए घटनास्थल पर पहुंचे। इनके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेज से भी टीम पहुंची।

ये रहे मौजूद

अंबाला मंडल से एडीआरएम हनुमान प्रसाद, सीनियर डीएसओ विलियम जीत सिंह, एएससी आरपीएफ अरुण कुमार, सीनियर डीएमई ओएंडएफ भूपेंद्र, जीआरपी सीओ श्वेता आशुतोष ओझा, सीएफओ प्रताप सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी जगपाल सिंह, स्टेशन अधीक्षक एके त्यागी, आरपीएफ इंस्पेक्टर मोहित त्यागी, जीआरपी इंस्पेक्टर संजीव कुमार, सीएमआई प्रदीप गिल्होत्रा, नितिन बत्रा आदि अधिकारी शामिल रहे।

मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच पीएम मोदी और नड्डा से मिले सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। योगी ने प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मोदी को बुंदेलखंड पुस्तक भेंट की। योगी ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री से आत्मीय सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। योगी ने प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मोदी को बुंदेलखंड पुस्तक भेंट की। योगी ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री से आत्मीय सानिध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए पीएम का मार्गदर्शन संबल प्रदान करता है। उन्होंने बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए पीएम मोदी का आभार जताया। वहीं सूत्रों के मुताबिक, योगी ने पीएम मोदी को अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया है। पीएम मोदी को राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों की जानकारी देने सहित अन्य राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सीएम योगी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी उनके आवास पर मुलाकात की। योगी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया है। प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर लंबे समय से अटकलें चल रही हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत दिए जा रहे थे। चुनाव नतीजों के बाद सीएम की पीएम से मुलाकात से इन अटकलों को और बल मिला है।

हरदोई पहुंचे ओपी राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर कसा तंज

❖ जिस दिन विस्तार होगा उस दिन सरकार में शामिल हो जाएंगे- ओपी राजभर।

हिमांशु त्रिपाठी (द अचीवर टाइम्स)

हरदोई। यूपी के हरदोई जिले में गुरुवार को महाराजा सल्हीय सिंह अर्कवंशी का स्मृति दिवस मनाया गया, जिसमें सुहेलदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अर्कवंशी समाज के महासम्मेलन को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। साथ ही अपने मंत्री बनने को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए बोले ओमप्रकाश राजभर, कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया जी कान खोलकर सुन लें। उन्होंने हम लोगों का हिस्सा लूटा है। अब वोट की तरफ देखने की कोशिश मत करना। हम शंकर भगवान का पुजारी हैं और हमारे झंडे का रंग पीला है। अगर श्राप दे दिया तो पीलिया हो जाएगा और तब तक ठीक नहीं होगी, जब तक झंडा नहीं पकड़ोगे। राजभर ने कहा, हम भारतीय जनता पार्टी के साथ आए, तो सबसे ज्यादा किसी को दर्द होता है तो समाजवादी पार्टी को। ये (अखिलेश यादव) मुसलमानों के भी न हुए। बार-बार सरकार सामाजिक न्याय की बात करते हैं। सामाजिक न्याय में सिर्फ यादव आता है। चार बार अगर अलग-अलग जाति के मुख्यमंत्री बना देते तो मानता की सामाजिक न्याय की बात करते हो। सामाजिक न्याय के दायरे में हम सभी लोग आते हैं। वहीं, यूपी सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि राजभवन या मुख्यमंत्री ऑफिस से ऐसी कोई न्यूज नहीं आई है। सीएम योगी के दिल्ली जाने को लेकर उन्होंने कहा कि जो संकेत मिलेगा, हम आप लोगों को तुरंत बताएंगे। अभी तारीख नहीं बताएंगे। हम भी जल्दी दिल्ली जाने वाले हैं। मंत्री पद कब मिल रहा है, जिस दिन विस्तार होगा उस दिन सरकार में शामिल हो जाएंगे।

विद्युत विभाग की लापरवाही से अँधेरे में में कई गांव

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र के ऐरा भदियार उपकेंद्र के सिकंदरपुर सरोसी फीडर से 2 गांवों की बिजली आपूर्ति करीब 15 घंटे बाधित रही। बृहस्पतिवार सुबह पांच बजे जगदीशपुर चौराहा के पास मेन लाइन में फाल्ट हो गया। जिससे एक हजार आबादी की बिजली गुल हो गई। काफी देर तक लोग बिजली आने का इंतजार करते रहे। बाद में उपकेंद्र में फोन किया तो फाल्ट होने की जानकारी मिली। शाम पांच बजे से दर्जनों उपभोक्ताओं ने पावर हाउस के सीयूजी नंबर व लाइन मैन को फाल्ट ठीक कराने के लिए कई फोन किए फिर भी लाइनमैन फाल्ट दुरुस्त करने नहीं पहुंचा। जिसकी वजह से पूरे दिन और रात बिजली गुल रही। अंधेरे से लोग बेहाल रहे। दीनदयाल बीडीसी, सरवन कुमार, पंचम, हंशराम, कमलेश कुमार ने बताया कि अक्सर फाल्ट से बिजली घंटों गुल रहती है और जब फाल्ट ठीक करने को कहा जाता है तब पेट्रोल और शराब की मांग की जाती हैं। आरोप लगाया कि लाइनमैन फाल्ट दुरुस्त करने में लापरवाही करते हैं। जेई आशीष चौधरी ने बताया कि मेन लाइन में दिक्कत है लाइनमैन से बात कर के फाल्ट ठीक करने का प्रयास कर रहे हैं।

मोबाइल कारोबारी पर दर्ज मुकदमे की निष्पक्ष जांच की मांग

❖ मोबाइल एशोसिएशन ने अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर उठाई निष्पक्ष जांच की मांग।

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहाँपुर। मोबाइल एसोसिएशन शाहजहांपुर के एक प्रतिनिधि मंडल ने अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर मोबाइल व्यापारी संजय अग्रवाल के खिलाफ दर्ज मुकदमे की निष्पक्ष जांच की मांग की। मोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय अवस्थी, महामंत्री सतनाम चावला के नेतृत्व में एसपी सिटी सुधीर जायसवाल से मिले जिन्हें पुलिस अधीक्षक को संबोधित एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में प्रतिष्ठित कारोबारी संजय अग्रवाल पर धारा 376 डी/503/506 आईपीसी के तहत लगे गंभीर आरोपों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाने की मांग की गई एवं अपील की कि इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। इस प्रकरण में यदि संजय अग्रवाल दोषी हो तो अत्यंत कठोर दंड दिया जाए और यदि षडयंत्र पूर्वक उनकी छवि धूमिल करने, चरित्र हत्या करने अथवा वसूली करने के उद्देश्य से किन्ही लोगों द्वारा अथवा किसी सिंडिकेट द्वारा यह आरोप दुर्भावना से लगाए गए हैं तो उनका भी पर्दाफाश होना अत्यंत आवश्यक है। एवं उन लोगो को भी चिन्हित कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति महिला संरक्षण के कानून की के सम्मान की गरिमा के साथ खिलवाड़ ना कर सके। प्रतिनिधि मंडल में मोबाइल कारोबारी यासीन मलिक, अभिनव श्रीवास्तव, उजैर खान, गगन अरोरा, रवि कुमार, सुमित खन्ना, अमरीश गुप्ता, जुबेर खान, राजेश कुमार, अनूज शर्मा उपस्थित थे। सभी ने महिला कानून के हो रहे दुरुपयोग पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

एक नज़र

आईजी जोन बरेली द्वारा जनपद शाहजहाँपुर में थाना सेहरामऊ दक्षिणी व थाना तिलहर आकस्मिक निरीक्षण व थाना तिलहर क्षेत्र में पैदल गस्त

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। बृहस्पतिवार को पुलिस महानिरीक्षक बरेली डॉ राकेश सिंह द्वारा थाना सेहरामऊ दक्षिणी व थाना तिलहर का निरीक्षण किया गया दौरान निरीक्षक पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर अशोक कुमार मीणा क्षेत्राधिकारी तिलहर प्रियांक जैन भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महिला हेल्पडेस्क,कार्यालय अभिलेखों,ष्ष्ट्रञ्जहृस् कक्ष,मैस आदि का निरीक्षण कर अभिलेखो को अद्यावधिक करने,कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने एवं अपराध नियन्त्रण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। बाद निरीक्षण पुलिस महानिरीक्षक डॉ राकेश सिंह द्वारा थाना तिलहर क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर व क्षेत्राधिकारी तिलहर के साथ आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण/सकुशल संपन्न कराने व शांति/ कानून व्यवस्था के दृष्टिगत थाना तिलहर क्षेत्र में सार्वजानिक स्थानों / मुख्य मार्गो पैदल गस्त व चैकिंग की गई।

मां नें नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का लगाया आरोप मुकदमा पंजीकृत

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

काकोरी लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के निवासी माँ ने अपनी नाबालिग बेटी को युवक पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित माँ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी नाबालिक पुत्री के साथ दुबग्गा दवाई लेने के लिए गई थी वापस लौटते समय बुद्धेश्वर चौराहे के पास से सादुल्ला नगर पोस्ट ऐन बन्थरा निवासी शकील खान 40 नाबालिक पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

महिला के साथ हुई अभद्रता के मामले में पुलिस ने लिया संज्ञान

द अचीवर टाइम्स कुन्दन सिंह

मियाँगंज उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत महिला से अभद्रता करने के विरोध मे दम्पति को पीट पीट कर किया घायल गांव राजेपुर ग्रंट निवासी किरन उम्र 25 वर्ष पत्नी विनोद के घर पर देर शाम अपने गांव निवासी छोटू पुत्र नादिर घर पर जा पहुंचा विनोद को पूछने के बाद घर पर न होने की जानकारी हुई तो वह उसकी पत्नी किरन से अभद्रता करने लगा विरोध करने पर छोटू पुत्र नादिर मारपीट करने लगा मौके पर पहुंचा पति विनोद उम्र 30 वर्ष पुत्र आशाराम ने विरोध किया तो छोटू तथा उसका पिता नादिर पुत्र सक्टू भी मौके पर पहुंच कर मारपीट करने लगा दोनों को पीट-पीटकर पिता पुत्र ने लहूलुहान कर दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने पति पत्नी को मियांगंज में भर्ती कराया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने दोनों की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया है।

अध्यापक अनुपस्थित होकर कर रहे नौनिहालों के साथ खिलवाड़

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। शिक्षाक्षेत्र के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों का विलंब से विद्यालय पहुंचने का कार्यक्रम बदस्तूर जारी है। सूत्रों की माने तो इस शिक्षा क्षेत्र के अधिकांश विद्यालयों के अध्यापक दिन प्रतिदिन नदारद रहते है। बताते चलें कि कंपोजिट विद्यालय मझौनी में तैनात शिक्षक समय पर नहीं पहुंचते है। आज हमारे संवाददाता ने सुबह 9:20 पर विद्यालय पहुंचकर लाइव कवरेज किया तो वहां पर सिर्फ सहायक अध्यापक आशीष वर्मा उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि एक महिला अध्यापक दीर्घकालिक अवकाश पर हैं तथा शिक्षक प्रिया व रविकांत मौके पर उपस्थित नहीं थे। करीब 15 मिनट तक खड़े रहने तक भी यह दोनों विद्यालय नहीं पहुंचे थे। उसके बाद इस संबंध में जब हमारे संवाददाता ने रामनगर के खंड शिक्षा अधिकारी संजय राय से जरिये मोबाइल फोन पर जानकारी प्राप्त की तो उन्होंने कहा कि फोटो व्हाट्सएप पर भेज दो जल्द ही कार्रवाई की जाएगी । अब खंड शिक्षा अधिकारी श्री राय कोई कार्रवाई करते हैं या ऐसे ही मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं यह तो आने वाला समय बताएगा।

मिड सेमेस्टर परीक्षा की तिथि में बदलाव

लखनऊ। पुनर्वास विश्वविद्यालय में दो पाठ्यक्रमों की मिड सेमेस्टर परीक्षा की तिथि बदलाव कर दिया गया है। बीते कई दिनों से विवि के विद्यार्थी मिड सेमेस्टर परीक्षा की तारीख बदलने की मांग कर रहे थे। प्रबंधन के विभागाध्यक्ष प्रो. नागेंद्र यादव ने बताया कि एमबीए और बीबीए की मिड सेमेस्टर परीक्षा की तारीख बदल गई हैं। एमबीए की परीक्षा 15 से 19 दिसंबर के बीच होगी। परीक्षा दो पालियों में सुबह 10:15 से 11:15 बजे और दोपहर 1:30 बजे से 2:30 बजे के बीच होंगी। वहीं बीबीए की परीक्षा भी 15 से 19 दिसम्बर के बीच होगी। परीक्षा सुबह 11:45 से 12:45 और दोपहर तीन से 4 बजे के बीच होगी।

कलेक्शन एजेंट से लूट का प्रयास करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ। दूध कंपनी के कलेक्शन एजेंट से लूट का प्रयास करने वाले चार बदमाशों को मड़ियांव पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से अवैध रिवाल्वर और चोरी की बाइक मिली है। डीसीपी नॉर्थ कासिम आब्दी ने बताया कि मड़ियांव के गायत्रीनगर निवासी रतन शुक्ल अमूल दूध के कलेक्शन एजेंट हैं। 28 नवंबर को वह कलेक्शन की रकम बैंक में जमा करने जा रहे थे। तभी मड़ियांव में आईआईएम रोड पर बदमाशों ने आंखों में मिर्च पाउडर झोंककर नकदी से भरा बैग लूट लिया था। रतन के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने बदमाशों को दौड़ा लिया था। इस पर बदमाश लूटा गया बैग फेंककर भाग गए थे। रतन ने मड़ियांव थाने में लूट के प्रयास का केस दर्ज कराया था।

महिला से पचास हजार लूटने वाले दो शातिर चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ । मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत राधा स्वामी के पास बैक से पैसा लेकर आ रही महिला से पचास हजार की लूट करने वाले दो शातिर चोरों को पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार जानकारी के मुताबिक। पीड़िता नीलू सिंह पत्नी अरुण कुमार निवासी गोकुल रेजिडेंस मऊ थाना मोहनलालगंज ने प्रार्थना पत्र देकर शिकायत किया था कि दिनांक 01.12.2023 को एसबीआई बैंक शाखा मोहनलालगंज से पचास हजार रुपए निकाल कर घर वापस आ रही थी तभी अचानक राधास्वामी सत्संग मोड़ के पास स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियो ने रुपयों से भरा बैग छीन ले गए थे। जिसके संबंध में पीड़िता ने नजदीकी थाना मोहनलालगंज में जाकर लिखित प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराया था। जिसको लेकर आज पुलिस टीम सर्विलांस टीम के साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल करते हुए दोनो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व सघन चेकिंग अभियान चलाकर मुखबिर की सूचना पर दोनों शातिर चोरों को फुलवरिया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया पूछताछ में शातिर चोरों ने बताया कि पहले वो वृद्ध व महिलाओं को टारगेट कर सुनसान जगह पर घटना को अंजाम देते थे शातिर चोरों के विरुद्ध कई थानों में मुकदमा पंजीकृत है चोरों के पास से पचास हजार रुपए नगद एक मोटरसाइकिल वा दो फोन बरामद हुए। शातिर चोरों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया गया।

एस.जी.पी.जी.आई. को द वीक हंसा रिसर्च सर्वे में देश में तीसरा स्थान मिला

द अचीवर टाइम्स रघुनाथ सिंह

लखनऊ। द वीक-हंसा रिसर्च सर्वे-2023 की रैंकिंग में देश के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में एसजीपीजीआई को तीसरा स्थान मिला है। पहले नम्बर दिल्ली का एम्स है। जबकि दूसरे नम्बर पीजीआई चण्डीगढ़ है। सर्वे में मेडिकल एजुकेशन, रिसर्च और पेशेंट केयर में पीजीआई पूरे देश में दूसरे नंबर का हॉस्पिटल है। सर्वे में मरीजों के उपचार की गुणवत्ता, अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाएं व बुनियादी ढांचा, डॉक्टरों की योग्यता, अनुसंधान और नवाचार को शामिल किया गया है। सर्वे में देश के 17 शहरों के प्रमुख चिकित्सा संस्थान और अस्पतालों को शामिल किया गया है। इनमें दिल्ली, एनसीआर, चंडीगढ़, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, हैदराबाद, बंगलूरू, चेन्नई, कोच्चि, कोलकाता, पुणे, मुंबई व अन्य शहर शामिल हैं। एसजीपीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमन का कहना है कि यह गर्व की बात है कि प्रदेश में अकेले संस्थान को इस रैंकिंग में स्थान मिला है।

दुबग्गा थाना क्षेत्र में चोरों के हैं हौसले बुलंद कई घरों में जेवराज समेत नगदी की चोरी

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

काकोरी लखनऊ। राजधानी लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में चोरों ने घर को अपना निशाना बनाकर नगदी एवं जेवरात पर हांथ साफ कर दिया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले को पंजीकृत कर छानबीन शुरू कर दिया। पीड़ित प्रसादी लाल निवासी निवासी ग्राम कटौली थाना दुबग्गा ने पुलिस दी तहरीर में बताया बीती देर रात अज्ञात चोरों ने घर के कमरे में क़ीमती जेवरात समेत बीस हज़ार रुपए की नगदी चोरी कर मौके से फरार हो गए। सुबह देखा घर के सारे ताले टूटे हुए हैं एवं अलमारी के अंदर रखा हुआ सारा सामान गायब है। प्रार्थी ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले को पंजीकृत कर छानबीन में जुट गई। वहीं प्रभारी निरीक्षक दुबग्गा अभिनव कुमार वर्मा नें बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन की जा रही है।

अपने ही प्लाट पर कब्जे के लिए दर-दर भटक रहा पीड़ित

द अचीवर टाइम्स आनंद पांडेय

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज चतुर्थ में लोहरामऊ स्थित जैन कॉलोनी के रहने वाले रामकुमार यादव द्वारा 14 वर्ष पूर्व 1710 वर्गफिट बाउंड्री बना हुआ प्लाट कन्हैया लाल पुत्र हीरालाल निवासी महाराजगंज,रायबरेली से दाउदनगर में खरीदा गया था। जब 14 वर्ष बाद पीड़ित द्वारा अपने प्लाट पर जाकर निर्माण कार्य शुरू कराने हेतु निर्माण सामग्री मंगाई जाती है तभी त्रिवेणी नगर निवासी नीरज पांडेय,अशोक दुबे व उनके कुछ अज्ञात साथी आकर पूर्व में बनी हुई बाउंड्री को ध्वस्त कर देते हैं तथा नीरज पांडे व अशोक दुबे अपने आप को अधिवक्ता बताते हैं जबकि पीड़ित रामकुमार की माने तो यह दोनों लोग अधिक दिनों से खाली पड़े भूखंडों पर अवैध कब्जा करने का कार्य करते हैं।घटना के दिन रामकुमार यादव द्वारा उपरोक्त व्यक्तियों की लिखित शिकायत थाना मड़ियाओं में की जाती है तो मड़ियाओं पुलिस द्वारा त्वरित संज्ञान लेकर नीरज पांडे,अशोक दुबे व उनके अन्य साथियों पर एनसीआर दर्ज कर दी जाती है। पीड़ित रामकुमार यादव गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं जिनको खुद का जीवन यापन करने में बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है आये दिन पीड़ित थाने कचहरी के चक्कर लगा रहा हैं इसके बाद भी अभी तक वह न्याय के लिए दर-दर भटक ही रहा है एक तरफ जहां सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा राजस्व के मामलों में सतर्कता बरतते हुए तथा तारीख पर तारीख ना देते हुए कार्यवाही करने का फरमान जारी किया जाता है वही कुछ रसूखदारों द्वारा पूरा माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है अब देखना यह है कि इस खबर का असर किस स्तर तक होता है क्या पीड़ित रामकुमार को न्याय मिलेगा या उसे यूं ही न्याय के लिए दर-दर भटकते रहना होगा।

रोगा की पत्नी को लूटने वाले दो बदमाश धरे गए

लखनऊ। मोहनलालगंज में एक दिसंबर को दरोगा की पत्नी से 50 हजार रुपये लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से लूटे गए 50 हजार रुपये, बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। डीसीपी साउथ विनीत जायसवाल ने बताया कि मोहनलालगंज के मऊ स्थित गोकुल रेजीडेंसी कॉलोनी निवासी दरोगा अरुण कुमार सिंह लखीमपुर खीरी में तैनात हैं। अरुण की पत्नी नीलू सिंह एक दिसंबर की दोपहर एसबीआई से 50 हजार रुपये निकालकर पैदल घर जा रही थीं। तभी बाइक सवार दो बदमाश उनसे 50 हजार रुपये लूटकर भाग गए थे। पुलिस ने जब बैंक की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो वहां दो संदिग्ध नजर आए। पुलिस ने आसपास के कैमरों को चेक किया तो दोनों संदिग्ध बाइक से जाते दिखे। खुर्दही बाजार के पास वह लोग बाइक से रुके थे।

मुस्लिम समुदाय के ताजिया दफनाने की जगह को भी मिट्टी खनन माफियाओं नहीं छोड़ा

❖ खनन माफियाओं नें मिट्टी निकालने के बाद गड्ढे में भर दिया पानी।
❖ मुस्लिम समुदाय की भावनाओं के साथ किया गया खिलवाड़।

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

काकोरी लखनऊ । दुबग्गा थाना क्षेत्र स्थित बरावन कला में गांव के बाहर सरकारी ज़मीन पर खनन माफियाओ ने संबन्धित अधिकारियो कि मिली भगत से बड़े पैमाने पर तालाब से मिट्टी निकाल लिया गया। जानकारी के मुताबिक मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा मोहर्रम के महीने में ताजिया दफ़न किया जाता है। मुस्लिम समुदाय की भावनाओ को दरकिनार करते हुए। खनन माफियाओ ने खनन अधिकारियो के साठ गांठ से 20 डंपर मिट्टी खोद कर बेंच दिया गया। गांव के लोगों ने थाने पर लिखित तहरीर दे कर कार्यवाही कि मांग कि है। सुचना हैं कि शनिवार की रात के अंधेरे में खनन किया गया तीन से चार दिन बाद तक किसी पर कार्यवाही नहीं किया गया। गांव के किसी अज्ञात के द्वारा एसडीएम सदर को सुचना दी गई। मामला बढ़ता देख एसडीएम सदर ने तत्काल क्षेत्रीय लेखपाल को मौके पर भेज कर पैमाइस कराया गया। लेखपाल ने जांच कर जानकारी देते हुए बताया कि 35 मीटर लम्बा, 6 मीटर चौड़ा वा ढाई मीटर गहरी मिट्टी खोद कर टकरीबन 480 घन मीटर मिट्टी कि खुदाई कि गई। लेखपाल ने कहा जांचोंपरान्त आला अधिकारियों को रिपोर्ट भेज दिया जायेगा। गांव वालों कि तहरीर पर अभी तक आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। वही थाना प्रभारी अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि तहरीर आई है जांच कर आगे कि कार्यवाही कि जायेंगी।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज,लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता ने प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि आनंद प्रकाश पुत्र स्वर्गीय श्री कृष्ण निवासी राधा कृष्ण खेड़ा माजरा उत्तर गांव के यहा चकिया लेने गई थी जहां आनंद प्रकाश ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म करते हुए जान से मारने की धमकी दी जिसके संबंध में पीड़िता ने नजदीकी थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया था। उक्त संबंध में आज मोहनलालगंज पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शंभू खेड़ा मोड़ के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया अभियुक्त के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

माल में नए थाना प्रभारी राजेश कुमार त्रिपाठी ने संभाली कमान

द अचीवर टाइम्स विकास सैनी

लखनऊ। माल थाने के नवनियुक्त थाना प्रभारी राजेश कुमार त्रिपाठी ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि क्षेत्र में अपराध किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीड़ितों को न्याय दिलाने उनकी पहली प्राथमिकता होगी। आपको बता दें कि माल थाने के नए थाना प्रभारी राजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा की समाज के सहयोग से माल थाना क्षेत्र में अपराध में अंकुश लगाया जाएगा। अपराध को नियंत्रण करने के लिए पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देश के साथ अपनी सहयोगियों के साथ टीम भावना के साथ काम करेंगे। थाना में आने वालों का आदर सम्मान के साथ कार्य किया जाएगा। पब्लिक व पुलिस की आपसी सहभागिता को सजग बनाए रखेंगे। थाना क्षेत्र के लोग बिना किसी डर भय के अपनी समस्याओं को हमारे पास आकर बता सकते हैं। साथ ही उनके मोबाईल नंबर पर सूचना दे सकते हैं।साथ ही यह भी कहा कि मैं थाना परिसर में बैठकर प्रार्थियों की समस्या सुनने के लिए सदैव उपस्थित रहूँगा और पीड़ितो को न्याय दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता है।

सर्दी व कुहरे के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा उपायों को लेकर एडवाइजरी जारी

आपदा विशेषज्ञ ने दिए सड़क दुर्घटना से बचाव को लेकर दिए टिप्स

❖ अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं से बचने के बताए तरीके।

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। मौसम बदलने के साथ ही गुलाबी सर्दी ने दस्तक दे दी है। जनपद में हल्की सर्दी शुरू हो गई है। ऐसे में आवश्यक है कि सर्द से बचा जाये तथा सड़क पर वाहन चलाते समय सुरक्षात्मक उपायों को अवश्य अपनाया जाये ताकि कुहरे या धुंध के कारण सड़क दुर्घटनाएं न होने पायें। प्रभारी अधिकारी दैवीय आपदा/अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने ड्राइविंग की सेफ्टी से जुड़ी 10 जरूरी बातें बताई हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि सर्दी का मौसम शुरू हो गया तथा हल्का कुहरा भी पड़ने लगा है। ऐसे में सड़क सुरक्षा उपायों को अपनाया जाना नितांत आवश्यक है। वाहन चालकों को सुरक्षा के टिप्स देते हुए कहा कि गाड़ी के फॉग लैम्प सही रखें। यदि आपकी गाड़ी के फॉग लैम्प काम नहीं कर रहे हैं तब उन्हें सही करवा लें। यदि कार में फॉग लैम्प नहीं हैं तो उसे जरूर फिक्स करवा लें। सर्दी के मौसम में जब धुंध होती है तब फॉग लैम्प बेहद कामगर साबित होते हैं। इसके साथ ही वाहन में लगे वाइपर को जरूर चेक करें। यदि आपकी कार के वाइपर की रबड़ थोड़ी सी भी खराब हो रही है, तो उसे भी बदलवा लें। सर्दी के मौसम में जब फॉग होता है या फिर ओस गिरती है, तब वाइपर विंडशील्ड को साफ करने का काम करते हैं। वहीं आपदा विशेषज्ञ ज्ञानदीप शर्मा ने बताया कि सर्दी के मौसम में डिफॉगर का इस्तेमाल भी अत्यधिक कारगर सिद्ध होता है। सर्दी के मौसम में यदि बाहर धुंध ज्यादा है और आपकी कार में डिफॉगर दिया है, तब उसका इस्तेमाल करना चाहिए। कई बार रियर ग्लास पर मॉइश्चर आ जाता है, ऐसे में डिफॉगर की मदद से उसे जल्दी साफ कर सकते हैं। डिफॉगर ग्लास पर हीट जनरेट करता है जिससे मॉइश्चर खत्म हो जाता है। सुरक्षा के दृष्टिगत टायरों में प्रेशर ओवर नहीं होना चाहिए। सर्दी के मौसम में टायर का प्रेशर का सही रहना काफी जरूरी हो जाता है। खासकर हवा ज्यादा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। ठंड में ज्यादा नमी की वजह से सड़कें पूरी तरह सूखी नहीं होती। ऐसे में गाड़ी की स्पीड ज्यादा है और अचानक से ब्रेक लगाने पड़े तब कार के स्किड होना का खतरा रहता है। सर्दी में टायरों की रबर थोड़ी सिकुड़ जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि सर्दी में इमरजेंसी इंडिकेटर के इस्तेमाल से बचना चाहिए। बारिश के मौसम की तरह सर्दी के मौसम में भी इमरजेंसी इंडिकेटर ऑन करने से बचना चाहिए। इसका सबसे बड़ा नुकसान ये होता है कि गाड़ी मोड़ते वक्त आप इंडिकेटर का इस्तेमाल नहीं कर पाते। ऐसे में पीछे या आगे से आ रही गाड़ी से एक्सीडेंट होने खतरा बन जाता है। इसकी जगह हेडलाइट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अतिरिक्त इंजन को गर्म होने देना चाहिए। जब भी आप सर्दी के मौसम में कार को स्टार्ट करते हैं, तब 5 मिनट तक इंजन को गर्म होने दें। इस दौरान आप एक्सीलेटर का इस्तेमाल नहीं करें। एक्सीलेटर का इस्तेमाल करने से कार के इंजन पर असर होता है। खासकर, आपकी गाड़ी में डीजल इंजन है तब उसे 5 मिनट तक स्टार्ट रखना जरूरी हो जाता है। बैटरी को चार्ज करते रहें। जिन कार की बैटरी पुरानी हो चुकी है वे सर्दी के मौसम में प्रॉब्लम करने लगती हैं। ऐसे में बैटरी को सही करना सबसे जरूरी हो जाता है, क्योंकि कार का स्टार्ट होना बैटरी से जुड़ा होता है। ऐसे में यदि आप अपनी गाड़ी को डेली यूज नहीं करते हैं तब हर 3 दिन में कार को 5 से 6 किलोमीटर जरूर चलाएं।

वाहन चालकों को एंटी फॉगिंग एलिमेंट का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए। सर्दी के दिनों में कार के अंदर फॉग आना आम बात है। इसे दूर करने के लिए आप एंटी फॉगिंग स्प्रे, जेल जैसे किसी एलिमेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो कपड़े की छोटी पोटली में चावल भरकर भी रख सकते हैं। इससे कार के अंदर फॉग की प्रॉब्लम काफी दूर होगी। इसके अलावा गाड़ी के अन्दर भाप हटाने के लिए एसी का इस्तेमाल करना चाहिए। बात थोड़ी अजीब है लेकिन विंडशील्ड के मॉयश्चर को हटाने का ये सबसे बेहतर तरीका होता है। यदि आपकी गाड़ी में ज्यादा लोग हैं तब उनकी बॉडी टेम्प्रेचर से कार के अंदर का टेम्प्रेचर बढ़ जाता है। ऐसे में यदि कार के बाहर का टेम्प्रेचर 8 से 10 डिग्री है तब आप एसी का टेम्प्रेचर 18 से 20 डिग्री तक कर सकते हैं। भाप हटाने के लिए हीटर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सर्दी के मौसम में लो वेलोसिटी ऑयल का इस्तेमाल करना चाहिए। यदि आपके एरिया में सर्दी ज्यादा है तब आपको लो विस्कोसिटी इंजन ऑयल का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा सर्दी के मौसम वाहनों में रेडियम रेफलेक्टर/स्टीकर जरूर लगवाएं जिससे आपकी गाड़ी के आगे या पीछे से आने वाले वाहनों को दूर से ही आपकी गाड़ी दिख जाय और दुर्घटना से बचा जा सके। दो पहिया वाहन चालकों को भी सर्दी के दौरान सुरक्षा उपायों जैसे हेल्मेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करना, हेड लाइट व इन्डीकेटर सही रखना, आगे व पीछे प्लेट व वाइजर पर रेडियम रेफलेक्टर लगवाना तथा मोड़ पर वाहन एकदम धीमा करके दोनों तरफ देखकर ही मुड़ने एवं पर्याप्त मात्रा में ऊनी व गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

एक नज़र

बेहोश किया... फिर हाथ-पैर बांध चाकू से छलनी किया पूरा शरीर, पति ने पार की बर्बरता की हदें

लखनऊ। लखनऊ में फिजियोथेरेपिस्ट पति ने नशीला पदार्थ पिलाकर पत्नी को बेहोश किया। इसके बाद हाथ-पैर बांधकर चाकू से पूरा शरीर छलनी किया था। संध्या की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पति की बर्बरता उजागर हुई है। पूरे शरीर पर 22 जख्म मिले हैं। लखनऊ में फिजियोथेरेपिस्ट आनंदेश्वर अग्रहरि ने पत्नी संध्या साहू पर बर्बरता करने में सारी हदें पार कर दी थीं। नशीला पदार्थ पिलाकर उनको बेहोश किया, हाथ-पैर बांधे और फिर चाकू से पूरे शरीर को छलनी कर दिया। संध्या के शरीर पर 22 गहरे जख्म मिले हैं। शॉक एंड हेमरेज से उनकी मौत हुई। बुधवार को जब शव का पोस्टमार्टम हुआ तब इस बर्बरता का खुलासा हुआ। पीएम रिपोर्ट देकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस क्रूरता से संध्या पर चाकू से वार किए गए। उधर, अब तक आनंदेश्वर पुलिस की पकड़ से दूर है। फिजियोथेरेपिस्ट आनंदेश्वर ठाकुरगंज के रोशननगर में पत्नी संध्या व दो बेटों तनिष्क और शौर्य के साथ रहता था। तनिष्क मूकबधिर है। आनंदेश्वर घर में संध्या की हत्या कर भाग निकला था। मंगलवार को घर में खून से लथपथ संध्या का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा था। बुधवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गर्दन पर चार पांच वार किए गए। सीने पर चाकू भोंका गया। हाथ, चेहरे और जांघ पर भी चाकू से वार किया गया। करीब 22 गहरे जख्म संध्या के शरीर पर मिले। हाथ पैर बांधे जाने के निशान भी मिले। डॉक्टरों ने विसरा सुरक्षित कर लिया है। आशंका है कि संध्या को मारा पीटा भी गया था। क्योंकि कुछ मारपीट की भी चोटें मिली हैं। संध्या ने बचने के लिए मामूली संघर्ष किया था, इस वजह से उनके हाथों पर जख्म हैं।

आखिर इतनी बर्बरता क्यों?

आरोपी ने गर्दन को रेता नहीं बल्कि सीधे चाकू भोंक दिया। कई वार तो आरपार भी हो गए। पीएम रिपोर्ट को देखकर एक बात तो साफ है कि आनंदेश्वर का मकसद सिर्फ और सिर्फ संध्या की हत्या करना ही था। अब सवाल है कि आखिर उसने इतनी नृशंसता से पत्नी को क्यों मारा? अब जब वह पकड़ा जाएगा तभी यह राज खुलेगा। पुलिस अभी तक उसे पकड़ नहीं सकी है।

मंगलवार को ही की गई थी हत्या

वारदात के बाद एक सबसे अहम सवाल अनसुलझा था कि आखिर हत्या कब की गई। क्योंकि मृतका का बड़ा बेटा सोमवार को हत्या करने को लेकर बता रहा था, जबकि छोटे बेटे ने बताया था कि मंगलवार सुबह पिता उसे स्कूल छोड़ने गए थे। फिर वापस घर छोड़ा था। सुबह करीब 11-30 वह कहीं चले गए थे। इसलिए पुलिस भी समझ नहीं पा रही थी कि आखिर हत्या कब हुई। दोनों भाइयों में से किसकी बात सही है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह तथ्य स्पष्ट हो गया है। डीसीपी पश्चिम राहुल राज ने बताया कि पीएम रिपोर्ट के मुताबिक वारदात एक दिन पहले मतलब मंगलवार को अंजाम दी गई। इससे ये भी साफ हो गया कि छोटा बेटा सही बता रहा था। चूंकि बड़ा बेटा मूकबधिर है और थोड़ा कम समझता है, इसलिए वह कुछ कंफ्यूज हो गया।

इस पहलू पर तफ्तीश

पुलिस ने आरोपी की लोकेशन व कॉल डिटेल निकाली है। इससे पता चला है कि मंगलवार दोपहर उसने अपना मोबाइल बंद किया था। कॉल डिटेल से पता चला कि वह एक दो महिलाओं से काफी बातचीत करता था। इसलिए पुलिस की जांच इस पहलू पर भी है कि कहीं अन्य महिलाओं से आरोपी के संबंध होने की वजह से पत्नी को तो नहीं मारा। पुलिस ने उन महिलाओं से भी संपर्क किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पैसों के लिए पागल है आनंदेश्वर

आरोपी सट्टा खेलने व शराब का लती है। लाखों रुपये का कर्ज है। पत्नी से भी वह पैसे व जेवरात मांगता था। इसको लेकर विवाद होता था। पिछले महीने उसके बेटे की दिवाई का कार्यक्रम था। इसमें बेटे को पैसे आदि मिले थे। इन्हें भी आनंदेश्वर ने छीन लिए थे।

संगठित अपराध पर लगाम कसने में यूपी-उत्तराखंड सबसे आगे, जाली नोटों की तस्करी के केस बढ़े

लखनऊ। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालें तो यूपी में वर्ष 2021 में इसके तहत 39 मुकदमे दर्ज किए गए थे, जो वर्ष 2022 में घटकर 21 हो गए। इसी तरह उत्तराखंड में वर्ष 2021 में इसके तहत 17 मुकदमे दर्ज हुए थे, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 32 हो गए। संगठित अपराध पर लगाम लगाने में यूपी और उत्तराखंड का प्रदर्शन देश में सबसे बेहतर है। यूपी के बाद उत्तराखंड में भी संगठित अपराध करने वालों पर तेजी से कार्रवाई की जा रही है। नतीजतन यूपी में पिछले साल के मुकाबले संगठित अपराध कम हुए हैं। वहीं उत्तराखंड में संगठित अपराध करने वालों का सफाया करने का अभियान जोर पकड़ता जा रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालें तो यूपी में वर्ष 2021 में इसके तहत 39 मुकदमे दर्ज किए गए थे, जो वर्ष 2022 में घटकर 21 हो गए। इसी तरह उत्तराखंड में वर्ष 2021 में इसके तहत 17 मुकदमे दर्ज हुए थे, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 32 हो गए। इसी तरह देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कार्रवाई करने की रफ्तार यूपी में बढ़ी है। यूपी में वर्ष 2021 में यूएपीए (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) के तहत 83 मुकदमे दर्ज हुए थे, जो अगले वर्ष बढ़कर 101 हो गए।

जीबीसी के प्रथम फेज की तैयारी

यूपी में 10 कंपनियां करेंगी 1.11 लाख करोड़ रुपये का निवेश

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में प्रदेश सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के पहले फेज की तैयारी कर रही है। नोएडा से लेकर सोनभद्र तक बड़ा निवेश करने के लिए 10 कंपनियां तैयार हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश में प्रदेश सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के प्रथम फेज की तैयारी में जुटी हुई है। फरवरी में हुए यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स के बाद अब तक यूपी को 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। वहीं जीबीसी के पहले फेज में सरकार और उद्यमी 13 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने के लिए तैयार हैं। प्रथम फेज में निवेश के मामले में जिन टॉप 10 कंपनियों की चर्चा हो रही है उनमें टाटा, हीरानंदानी, टस्को, ग्रीनको जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं। ये कंपनियां प्रदेश के अंदर डेटा सेंटर, रिटेल मार्ट, स्किल डेवलपमेंट और ऊर्जा जैसे सेक्टर में निवेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

डेटा सैंटर पार्क में 30 हजार करोड़ का निवेश

जीबीसी के प्रथम फेज में प्रदेश में होने जा रहे सबसे बड़े निवेश की बात करें तो यह एनआईडीपी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (हीरानंदानी) ग्रुप की ओर से गौतमबुद्ध नगर में डेटा सेंटर पार्क के

निर्माण में होने जा रहा है। 30 हजार करोड़ का ये निवेश यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में स्थापित करने की तैयारी है। वहीं 27 हजार करोड़ से अधिक का निवेश एनटीपीसी लिमिटेड की ओर से किया जाना है। एनटीपीसी प्रदेश में ऊर्जा सेक्टर में दो संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है। इनमें एक झांसी में और दूसरा सोनभद्र में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए सोनभद्र के ओबरा में सुपर थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना के लिए यूपी राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि. बोर्ड से अनुमोदन भी प्राप्त हो चुका है। इसके साथ ही 17 हजार करोड़ से अधिक की परियोजना ग्रीनको कंपनी की ओर से सोनभद्र में स्थापित होने जा रही है। ऑफ स्ट्रीम क्लोज लूप पंप स्टोरेज परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी प्रकार 8 हजार करोड़ की परियोजना सिफी इनफिनिट स्पेस लिमिटेड की ओर से धरातल पर उतारी जा रही है। ये प्रोजेक्ट आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स में है, जिसे नोएडा में डेटा सेंटर की स्थापना हो रही है। ये परियोजना निर्माणाधीन है।

पीडब्ल्यूडी ने इन बदलावों के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसे शीघ्र कैबिनेट में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। अभी लागू व्यवस्था में राज्यमार्गों का नवीनीकरण 4, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों का 5 और ग्रामीण मार्गों का नवीनीकरण 8 वर्ष बाद किया जाता है। वहीं, राज्य मार्गों, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों के लिए दोष निवारण अवधि एक वर्ष और ग्रामीण मार्गों के लिए दो वर्ष लागू है। प्रस्तावित व्यवस्था में कहा गया है कि सभी श्रेणियों की सड़कों के निर्माण और रखरखाव के लिए दीर्घकालिक दोष निवारण अवधि को 5 वर्ष किया जाएगा। इसके लिए ठेकेदार को निश्चित राशि का भुगतान भी होगा। उच्च श्रेणी के मार्गों यानी राज्य मार्ग, प्रमुख जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग, शहरी मार्ग व बाईपास के मामले में रखरखाव राशि निर्माण लागत की 2.5 प्रतिशत होगी। ग्रामीण मार्गों के मामले में यह लागत की 7.5 प्रतिशत होगी। यह अवधि सड़क का निर्माण पूरा होने पर प्रारंभ मानी जाएगी।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सचिन, विराट और अमिताभ बच्चन को आमंत्रण

एजेंसी

लखनऊ। राम मंदिर के शुभारंभ और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों की सूची में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, सिनेमा जगत से अमिताभ बच्चन, कंगना रनौत, दीपिका चिखालिया, अक्षय कुमार, गायिका आशा भोंसले, अरुण गोविल, उद्योगपति मुकेश अंबानी, गौतम अडाणी, रतन टाटा को भी आमंत्रण भेजा गया है। राम मंदिर के शुभारंभ और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सात हजार अतिथियों को आमंत्रित कर रहा है। इनमें देश के विभिन्न परंपराओं के संत-धर्माचार्य, कलाकार, साहित्यकार, खेल जगत की हस्तियां, न्यायाधीश, उद्योगपति आदि शामिल हैं। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत तीन हजार वीवीआईपी शामिल होंगे। सूची में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, सिनेमा जगत से अमिताभ बच्चन, कंगना रनौत, दीपिका चिखालिया, अक्षय कुमार, गायिका आशा भोंसले, अरुण गोविल, उद्योगपति मुकेश अंबानी, गौतम अडाणी, रतन टाटा को भी आमंत्रण भेजा गया है। इसके लिए सेवानिवृत सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक, पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित हस्तियों को भी आमंत्रण भेजे गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी उतारेंगे रामलला की पहली आरती

श्रीराम जन्मभूमि परिसर में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला की नई मूर्ति की पहली आरती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही उतारेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में 150 वैदिक आचार्यों को लगाया जा रहा है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि काशी के शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती के मार्गदर्शन में आचार्यों की टोली का चयन हुआ है। काशी के वैदिक विद्वान लक्ष्मीकांत दीक्षित प्रमुख आचार्य रहेंगे। उनके साथ डेढ़ सौ पंडितों की टोली रहेगी, जो विभिन्न पारायण, पाठ, यज्ञ आदि करेगी। काशी के ही प्रसिद्ध वैदिक विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ की निगरानी में सारे अनुष्ठान होंगे। 17 जनवरी को रामलला की अचल मूर्ति की भव्य शोभायात्रा निकालकर राम जन्मभूमि परिसर में स्थापित की जाएगी। उसके बाद 18 जनवरी से पूजन, अर्चन अनुष्ठान की प्रक्रिया शुरू होगी।

अस्पतालों में न दवाएं न डॉक्टर : अखिलेश

साथ चलकर जायजा ले ले सरकार का कोई आदमी

एजेंसी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बाराबंकी समाजवादियों का पुराना गढ़ रहा है। यहां एक बार फिर से सपा का परचम लहराएगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी बदहाल हो गई हैं कि अस्पतालों में न डॉक्टर है न दवाई। मैं तो कहता हूं कि मेरे साथ सरकार का कोई आदमी चलकर अस्पतालों का जायजा ले ले। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार की दोपहर पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप के आवास पर आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। उन्होंने कहा कि चार राज्यों के चुनाव परिवर्तन का संकेत दे रहे हैं। मध्य प्रदेश में परिस्थितियां दूसरी हैं। अब लोकसभा चुनाव में भी जनता परिवर्तन चाहती है। अखिलेश ने कहा कि जनता के सामने वही पुराने सवाल हैं। किसानों की आय दोगुनी करना, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाएं और विकास। कहा कि बाराबंकी समाजवादियों का पुराना गढ़ रहा है। यहां एक बार फिर समाजवादी परचम लहराएगा। योगी के लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर अखिलेश ने इस पर बाद में चर्चा करने की बात कह कर मुस्कुरा दिया।

श्रीराम के आदर्शों को जानेंगे बच्चे

बेसिक व माध्यमिक स्कूलों में रामायण से जुड़े प्रसंगों पर होगी प्रतियोगिता

एजेंसी

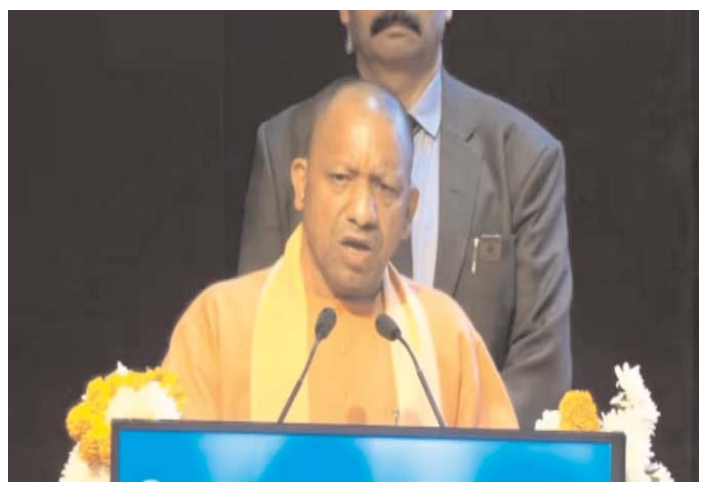

लखनऊ। यूपी के बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में रामायण से जुड़े प्रसंगों पर प्रतियोगिता होगी। इसके लिए चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का दिव्य-भव्य मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर जहां प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार स्कूली बच्चों में श्रीराम के आदर्शों को उतारने का भी काम करेगी। रामायण से जुड़े प्रसंगों पर चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन आदि प्रतियोगिताएं होंगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करना है। रामायण से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में होंगी प्रतियोगिताएं प्रदेश सरकार की ओर से रामायण से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर आधारित चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता यूपी के सभी बेसिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में होगी। यही नहीं अयोध्या के विभिन्न घाटों व स्थलों पर रामायण से जुड़ी कलाकृतियों की स्थापना की जानी है। इन कलाकृतियों की आधुनिक रूप से साज-सज्जा प्रस्तावित है। कलाकृतियों के निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है।

100 करोड़ रुपये खर्च कर होंगे आयोजन

संस्कृति विभाग की ओर से अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन के दृष्टिगत लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। रामोत्सव के अंतर्गत प्रतियोगिताओं व मूर्तिकला-चित्रकला के जरिए युवाओं को प्रेरित करने के लिए भी बजट खर्च होगा। प्रतियोगिताओं पर 4 करोड़ और मूर्तिकला-चित्रकला पर ढाई करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। युवाओं को रामायण के प्रसंग से अवगत कराने के उद्देश्य से होने वाला यह कार्यक्रम अलौकिक, दिव्य व भव्य होगा।

लोकसभा चुनाव का माहौल बनाने के लिए जिला सम्मेलन करेगी आम आदमी पार्टी

एजेंसी

लखनऊ। आम आदमी पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए माहौल बनाने के लिए जिलों में सम्मेलन करेगी। इसके लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जाएगा। आम आदमी पार्टी (आप) ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी तेज कर दी है। वह अब हर जिले में जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन करेगी। इसमें पार्टी की नीतियों के साथ ही केंद्र सरकार की कमियों को भी सामने लाने का काम किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने प्रदेश कार्यालय पर हुई अयोध्या प्रांत की समीक्षा बैठक में बताया कि सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में पर्चा बांटो अभियान 20 दिसंबर तक चलेगा, करीब 25 लाख घरों तक पहुंचने का लक्ष्य है। इसी के साथ पार्टी अब कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए जिला स्तरीय सम्मलेन भी करेगी। उन्होंने कहा कि महंगे सिलिंडर, अयोध्या में जमीन घोटाला, दो करोड़ युवाओं को नौकरी, किसानों की फसलों का दोगुना दाम आदि मुद्दों को उठाया जाएगा। बैठक में प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल, प्रांत महासचिव अतुल सिंह, लखनऊ के जिलाध्यक्ष शेखर दीक्षित, अनिल प्रजापति, बेटा लाल दिवाकर, आनंद जायसवाल, राहुल यादव, भारत राज योगी, अकमल जुनैद, धर्मबीर सिंह समेत कई मौजूद रहे।

सम्पादकीय

लोकसभा चुनावों में मोदी मैजिक विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती

लोकसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर आए विधानसभा चुनावों के इन नतीजों से न सिर्फ भाजपा का दबदबा बढ़ गया है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का कद पार्टी के भीतर और बाहर और बड़ा हो गया है। अब भाजपा नेतृत्व आसानी से मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में वसुंधरा राजे और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के विकल्प के तौर पर पार्टी में नया नेतृत्व तैयार कर सकता है, क्योंकि ये चुनाव इन छत्रपों के नाम पर नहीं बल्कि पार्टी के निशान कमल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर जीते गए हैं।

तू इधर-उधर की न बात कर ये बता कि काफिला क्यों लुटा
तू इधर-उधर की न बात कर ये बता कि काफिला क्यों लुटा
मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का मलाल है...

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों में तीन प्रमुख राज्यों में कांग्रेस की हार पर यह शेर पूरी तरह लागू होता है। इन चुनावों में भाजपा ने अप्रत्याशित रूप से उत्तर भारत के तीन प्रमुख राज्य मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में शानदार जीत दर्ज करके उन सारे आकलनों और अनुमानों को ध्वस्त कर दिया है, जो यह मानकर चल रहे थे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की जीत तय है और तेलंगाना में भी कांग्रेस सरकार बना सकती है। जबकि राजस्थान में कांटे की टक्कर में भाजपा, कांग्रेस में किसी का भी दांव लग सकता है। अगर ऐसा होता तो माना जाता कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को कांग्रेस और विपक्ष से कड़ी चुनौती मिलेगी। लेकिन जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों के छत्रपों की जगह खुद को आगे करके यह चुनाव लड़ने का जोखिम उठाया, उससे साबित हो गया कि इस शानदार जीत के पीछे भाजपा की रणनीति और मोदी मैजिक सबसे बड़ा कारण है। इसलिए कहा जा सकता है कि जो मोदी मैजिक विधानसभा चुनावों में इतना कारगर हो सकता है, वो लोकसभा चुनावों में जब खुद प्रधानमंत्री मोदी अपने लिए वोट मांगेंगे तो इससे भी ज्यादा कारगर क्यों नहीं होगा। जाहिर है इन नतीजों ने भाजपा की उम्मीदों और भरोसे को पंख लगा दिए हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन राज्यों की हैट्रिक जीत को 2024 में भाजपा की लोकसभा चुनावों में जीत की हैट्रिक की गारंटी बताया है। इन नतीजों से भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के भीतर पहले से ही मौजूद भाजपा और मजबूत होगी और सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में उठ सकने वाले असंतोष के स्वर न सिर्फ खामोश होंगे, बल्कि सहयोगी भाजपा की इच्छानुसार सीट बंटवारे के हर फॉर्मूले को सिर झुकाकर स्वीकार करेंगे। बिहार की हाजीपुर सीट के लिए न चिराग पासवान बाल हठ कर सकेंगे और न ही उनके चाचा पशुपति पारस ही हाजीपुर न मिलने पर एनडीए से बाहर जाने की सोच सकेंगे। जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा भी प्रसाद में जो मिलेगा उस पर ही खुश रहेंगे। कुछ इसी तरह उत्तर प्रदेश में अनुप्रिया पटेल का अपना दल और ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा सीट बंटवारे को लेकर आंखें नहीं तरेर सकेंगे। महाराष्ट्र में भी भाजपा ही तय करेगी कि लोकसभा की 48 सीटों में सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजीत पवार) कितनी और कौन सी सीटों पर लड़ेंगे।

इस लिहाज से लोकसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर आए विधानसभा चुनावों के इन नतीजों से न सिर्फ भाजपा का दबदबा बढ़ गया है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का कद पार्टी के भीतर और बाहर और बड़ा हो गया है। अब भाजपा नेतृत्व आसानी से मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में वसुंधरा राजे और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के विकल्प के तौर पर पार्टी में नया नेतृत्व तैयार कर सकता है, क्योंकि ये चुनाव इन छत्रपों के नाम पर नहीं बल्कि पार्टी के निशान कमल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर जीते गए हैं। भाजपा की अंदरूनी राजनीति में यह एक निर्णायक मोड़ है, जब अटल-आडवाणी युग के क्षेत्रीय छत्रपों की जगह पार्टी उत्तर भारत के इन तीन प्रमुख राज्यों में नया नेतृत्व विकसित करेगी। हालांकि इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की भीड़ की वजह से यह एक चुनौती भी है, लेकिन भाजपा का मौजूदा नेतृत्व इन चुनौतियों के बखूबी निपटना जानता है।

उधर कांग्रेस के लिए ये नतीजे बेहद निराशाजनक हैं। सिर्फ दक्षिण भारत से तेलंगाना की जीत ने उसे कुछ राहत दी है। हालांकि यह भी सच है कि जब-जब कांग्रेस संकट में आई है, उसे दक्षिण भारत ने ही सहारा दिया है। 1977 में जब पूरे उत्तर और पश्चिम भारत में कांग्रेस का सफाया हो गया था, तब दक्षिण के तत्कालीन चारों राज्यों ने कांग्रेस का ही परचम लहराया था। सत्ताच्युत हुई इंदिरा गांधी को पहले कर्नाटक के चिकमंगलूर, फिर तब आंध्र प्रदेश और अब तेलंगाना की मेडक सीट ने लोकसभा में भेजा। 2004 में भी कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की बुनियाद आंध्र प्रदेश की जीत बनी थी। 2019 में अमेठी से हारे राहुल गांधी को केरल की वायनाड सीट ने भारी मतों से लोकसभा में भेजा और अब भी पहले कर्नाटक और अब तेलंगाना में कांग्रेस की जीत ने उसे हौसला दिया है।

लेकिन मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान की हार ने विपक्षी इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को कांग्रेस को दबाव में लेने का मौका दे दिया है। जबकि कांग्रेस के नेता सोच रहे थे कि इन तीनों राज्यों और तेलंगाना जीतने के बाद इंडिया गठबंधन में कांग्रेस का नेतृत्व और दबदबा स्वीकार कर लिया जाएगा और सीट बंटवारे में सहयोगी दल झुक कर नरमी से बात करेंगे। लेकिन अब सहयोगी दलों ने अपना दबाव बढ़ा दिया है। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस, जनता दल(यू) के नेताओं ने तो खुलकर कहा है कि अगर कांग्रेस अहंकार की बजाय कुछ सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारा करके चुनाव लड़ी होती, तो नतीजे कुछ और होते। यह अलग बात है कि जिन सहयोगी दलों ने इन राज्यों में चुनाव लड़ा, उन्हें न तो कोई सीट मिली और उनका वोट भी पूरी तरह खिसक गया।

सपा के एक नेता के मुताबिक भले ही ये नतीजे अभी निराशा पैदा करने वाले हैं, लेकिन इनका विपक्ष को एक बड़ा फायदा ये होगा कि सीट बंटवारा अब आसानी से हो जाएगा क्योंकि अब कांग्रेस का अड़ियलपन भी खत्म होगा और उसे गठबंधन की जरूरत भी ज्यादा होगी। यानी अगर कांग्रेस तीन या चार राज्यों में जीतती तो कांग्रेस के साथ गठबंधन करना सहयोगी दलों की राजनीतिक मजबूरी होती और अब लड़खड़ाई कांग्रेस के सामने भाजपा से लड़ने के लिए सहयोगी दलों के साथ मजबूती से बने रहने की मजबूरी है। इसलिए इंडिया गठबंधन में ज्यादा मजबूती आएगी और सभी सहयोगी समान स्तर से बातचीत करके लोकसभा सीटों का एक तार्किक और जिताऊ बंटवारा कर सकेंगे। ऐसा होने पर 2024 में भाजपा को कड़ी चुनौती दी जा सकेगी। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रभारी जयराम रमेश तो अपने कार्यकर्ताओं को 2003 के विधानसभा चुनाव और 2004 के लोकसभा चुनावों के नतीजे याद दिलाकर उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। जयराम के मुताबिक 2003 में भाजपा मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जीती थी, लेकिन 2004 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बनकर उभरी और सरकार बनाई। हालांकि तब कांग्रेस का मुकाबला उदारमना अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा सरकार से हुआ था और 2024 में आक्रामक छवि वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा से होगा। लेकिन तेलंगाना की शानदार जीत ने दक्षिण भारत में कांग्रेस को मजबूत किया है। तेलंगाना का असर पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश और उड़ीसा में भी पड़ सकता है, जैसे कर्नाटक की जीत का फायदा कांग्रेस को तेलंगाना में मिला। लेकिन इन दोनों राज्यों में कांग्रेस के पास कोई रेवंत रेड्डी जैसा मेहनती और जमीन से जुड़ा कोई नेता नहीं है। हालांकि आंध्र प्रदेश में सत्तारुढ़ जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस का मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम से है, लेकिन पिछले दिनों भ्रष्टाचार के आरोप में चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी ने तेलुगू देशम को अस्त व्यस्त किया है। ऐसे में कांग्रेस वहां अपनी खोई जमीन पा सकती है, बशर्ते उसके पास एक मजबूत स्थानीय नेतृत्व हो।

वादों को जमीन पर उतारने का वक्त

कॉप-28 में ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) एक निर्णायक अवसर के रूप में सामने आया है। यह देशों की सामूहिक प्रगति का एक रिपोर्ट कार्ड है, जिसमें वादों, उठाए गए कदमों और भविष्य के सख्त कदमों की जानकारी शामिल होगी।

आज हम जलवायु संकट के मुहाने पर खड़े हैं, जिसने जलवायु से जुड़े वादों को तत्काल गतिविधियों में बदलने की जरूरत स्पष्ट कर दी है। ग्लासगो में संपन्न वैश्विक जलवायु सम्मेलन (कॉप-26) में महत्वाकांक्षी नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों की घोषणा की गई थी, लेकिन दुबई में चल रहे कॉप-28 पर इन वादों को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी है। जिस तरह से वर्ष 2023 ने गर्मी, सूखा, बाढ़, लू और दावानल (जंगल की आग) के रिकॉर्ड तोड़े हैं, जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए तेज और निर्णायक कदम उठाने की जरूरत को कम करके नहीं आंका जा सकता है। कॉप-28 में ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) एक निर्णायक अवसर के रूप में सामने आया है। यह देशों की सामूहिक प्रगति का एक रिपोर्ट कार्ड है, जिसमें वादों, उठाए गए कदमों और भविष्य के सख्त कदमों की जानकारी शामिल होगी। जीएसटी पेरिस जलवायु समझौते की आधारशिला है, जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 से दो डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए सामूहिक प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करना है। इसलिए कॉप-28 में संपन्न हो रहा पहला जीएसटी एक सतर्क दृष्टिकोण अपनाने, दोषारोपण से दूर रहने और जलवायु गतिविधियों के लिए जलवायु न्याय व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की मांग करता है। यह जलवायु परिवर्तन को रोकने वाली कार्य योजनाओं के अगले चरण की जानकारी देगा, जिन्हें सदस्य देशों को 2025 में सामने रखने की जरूरत होगी।

ग्लोबल साउथ और भारत जैसे विकासशील देशों की चिंताओं को दूर करने के लिए कॉप-28 में जलवायु न्याय के चार प्रमुख स्तंभों को प्राथमिकता देनी चाहिए- पहला स्तंभ, हानि व क्षति कोष की मात्रा और इसमें विकसित देशों की भूमिका को परिभाषित किया जाना चाहिए। खुशी की बात है कि कॉप-28 के पहले दिन हानि व क्षति कोष को स्वीकार कर लिया गया है, जिसकी देख-रेख अस्थायी रूप से विश्व बैंक करेगा। हालांकि, इस कोष में सहायता देने की कोई बाध्यता नहीं है, और कोष के आवश्यक लक्ष्य का भी उल्लेख नहीं है। लेकिन जलवायु परिवर्तन से विकासशील देशों को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिए कोष इस मांग के अनुरूप होना चाहिए। साथ में, यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कितनी मात्रा अनुदान और कितनी मात्रा रियायती ऋण के रूप में दी जाएगी। दूसरा स्तंभ उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना है। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन के लिए सभी देश समान रूप से जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए कॉप-28 को विकसित देशों से विस्तारित एनडीसी, नेट-जीरो लक्ष्य के लिए साल-दर-साल उत्सर्जन कटौती का खाका तैयार करने और जलवायु वित्त की मात्रा बढ़ाने की मांग करनी चाहिए, जिसे (वित्त) विकसित देशों को तेजी से उपलब्ध कराने की जरूरत है। तीसरा स्तंभ जलवायु लचीलापन है, जिस पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। विभिन्न आपदाओं के खतरों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और कृषि वानिकी जैसे प्रकृति-आधारित समाधानों में निवेश करना, समय से तैयारी करना और आपदाओं से मुकाबला करने के लिए लचीलापन विकसित करना बहुत जरूरी है। देशों और व्यक्तियों की अनुकूलन क्षमताओं को बढ़ाने और बदले में लाभ पाने के लिए कॉप-28 में भारत की ओर से घोषित ग्रीन क्रेडिट पहल एक अच्छी दिशा है।

सीईईडब्ल्यू के आकलन के अनुसार, भारत को नेट-जीरो बुनियादी ढांचे के विकास का लक्ष्य पाने के लिए अगले पांच दशकों में लगभग 100 खरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की जरूरत होगी। चौथे स्तंभ के तहत, कॉप-28 में जलवायु वित्त को स्पष्ट परिभाषित करना चाहिए, और पुराने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। ग्लोबल साउथ को तत्काल कम दर पर वित्तपोषण की जरूरत है। बहुपक्षीय विकास बैंकों में भी सुधार की जरूरत है, ताकि वे विकासशील देशों के लिए वित्तीय जोखिम और लागत घटा सकें।दुबई में हो रहे कॉप-28 को दोहरावभरी बयानबाजियों से आगे बढ़ना चाहिए। इस सम्मेलन पर पूरे विश्व की निगाहें हैं और अब सार्थक कदम उठाने का समय है।

इंडिया की अंदरूनी चुनौतियां, गठबंधन को बचाने के लिए प्रबंधन की दरकार

तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में अप्रत्याशित हार के बाद उपज रही निराशा से इंडिया गठबंधन पर टूट का खतरा मंडरा रहा है। उसे अपनी गतिविधियों के व्यापक प्रबंधन के लिए एक पूर्णकालिक संचालक की दरकार है, पर दिक्कत यह है कि कांग्रेस की योजना में संयोजक का पद अनावश्यक माना जा रहा है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश, इन तीन हिंदी भाषी राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली अप्रत्याशित और अपमानजनक पराजय के बाद कांग्रेस को %इंडिया% गठबंधन के भीतर से भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बमुश्किल 48 घंटों के बाद ही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कमलनाथ ने ईवीएम मशीनों के खिलाफ एक सामूहिक मुहिम के लिए जरूरी समर्थन जुटाने हेतु ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और नीतीश कुमार तक पहुंचने की कोशिश की।

दरअसल, कमलनाथ चाहते हैं कि 'इंडिया' गठबंधन चुनावों पर न्यायमूर्ति मदन लोकुर की अध्यक्षता वाले सिटिजन कमीशन की सिफारिशों को जोर-शोर से उठाए, जिनके अनुसार ईवीएम मशीनें सत्यापन योग्य नहीं हैं। सिटिजन पैनल के एक सदस्य सुभाशीष बनर्जी का तर्क है कि ईवीएम मशीन के स्रोत कोड को सार्वजनिक होना चाहिए या ईवीएम में केवल एक बार प्रोग्राम करने वाली चिप का ही इस्तेमाल होना चाहिए इत्यादि बातें केवल मुख्य मुद्दे से भटकाने का काम करती हैं। अगर ये सभी मांगें मान भी ली जाएं (माना भी जाना चाहिए), तब भी ईवीएम सत्यापन योग्य नहीं होंगी। लेकिन ईवीएम के कथित दुरुपयोग के लिए 'इंडिया' गठबंधन का समर्थन पाने की कमलनाथ की इस कोशिश में एक बड़ा दोष है। पहला, यह पराजित पक्ष का तर्क है, और, दूसरा, ईवीएम से छेड़छाड़ का यह तर्क तेलंगाना में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के संदर्भ में अपना अर्थ खोता दिखता है, जहां उसने बीआरएस और भाजपा, दोनों को प्रभावशाली अंतर से हराया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान अखिलेश वखिलेश कहते हुए 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को प्रदेश से बाहर रखने के बाद कमलनाथ जिस दुस्साहस के साथ सहयोगियों से समर्थन मांग रहे हैं, उससे अखिलेश, ममता और नीतीश चकित हैं।

यह भी याद किया जा सकता है कि तीन महीने पहले सितंबर में दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर विपक्ष के 13 सदस्यीय पैनल की एक बैठक हुई थी, जिसमें 'इंडिया' गठबंधन ने अक्तूबर के पहले हफ्ते में भोपाल में महागठबंधन की पहली बैठक के लिए सहमति जताई गई थी। लेकिन कमलनाथ ने ऐसी किसी सार्वजनिक बैठक की मेजबानी से इन्कार कर दिया था, जो भाजपा सरकार में बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित होगी। भोपाल में 'इंडिया' गठबंधन की बैठक को लेकर कमलनाथ के विरोध को कई तरह से देखा जा सकता है। उनका तर्क था कि प्रस्तावित गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था, जो राज्य विधानसभा चुनाव में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता था, जो उन्हें लगा कि वह आसानी से जीत रहे हैं। उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र उदयगिरि द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी से उपजे विवाद की भी जानकारी थी। वह समाजवादी पार्टी, जदयू और वामपंथियों के साथ कुछ ही सीटों को लेकर किसी भी तरह के समझौते के पक्ष में नहीं थे। सभी जानते हैं कि अखिलेश यादव ने इसे कितना बड़ा मुद्दा बनाया, जिसे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी का समर्थन भी मिला। दरअसल, मध्य प्रदेश में इस %अन्य% वर्ग के वोट भाजपा के खाते में पड़े, जिसने भाजपा के वोट प्रतिशत को 46 फीसदी तक पहुंचा दिया, जबकि कांग्रेस 40 फीसदी पर ही ठहर गई। सवाल यह है कि क्या कमलनाथ इस झड़प को टाल सकते थे? व्यापक तौर पर देखें, तो 'इंडिया' गठबंधन के कुछ सहयोगी अब कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। सीटों के बंटवारे के प्रस्तावित फॉर्मूलें को अब टीएमसी, समाजवादी पार्टी, जदयू और आप की तरफ से ज्यादा विरोध का सामना कर पड सकता है। निराशा या अवसरवादिता के चलते 'इंडिया' गठबंधन के टूटने का भी खतरा है, क्योंकि, विपक्ष को डर सताने लगा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग तय ही हैं।

दरअसल, 'इंडिया' गठबंधन की सभी वार्ताओं में गांधी परिवार एक कमजोर कड़ी बना हुआ है। कांग्रेस में राहुल और प्रियंका गांधी की कोई भूमिका तय नहीं है। मल्लिकार्जुन खरगे को अखिल भारतीय कांग्रेस के 88वें अध्यक्ष बने बेशक एक साल से ऊपर हो चुका है, लेकिन यह बात फैली हुई है कि किसी भी राजनीतिक फैसले या मंजूरी के लिए वह राहुल गांधी के पास जाते हैं। तो, आखिर कांग्रेस के लिए आगे की राह क्या बचती है? विपक्ष या 'इंडिया' गठबंधन को यथाशीघ्र चुनाव- प्रबंधन के तंत्र, वार्ता के बिंदु और सोशल मीडिया नीति को दुरुस्त कर लेना चाहिए। गठबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल नरेंद्र मोदी का है। क्या मतदाताओं की नजर में संभावित विकल्प बने बगैर मौजूदा प्रधानमंत्री से सवाल करना या उनकी आलोचना करना उचित है? 'इंडिया' गठबंधन के लिए कैच-22 (विरोधाभाषी स्थितियों में फंसना) जैसी स्थिति हो गई है। उन्हें मोदी को कठघरे में भी खड़ा करना है, और अपने बीच से किसी को प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर न दिखाने को लेकर उनमें तकरीबन सहमति भी है। इसी तरह जाति जनगणना और आरक्षण के मुद्दों पर राहुल गांधी का खास जोर और धार्मिक कार्यक्रमों में बदलाव लाने के कांग्रेस के प्रयास कुछ ज्वलंत मुद्दे हैं। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन में कई लोग ऐसे हैं, जो जाति जनगणना के मुद्दे पर ज्यादा विचार- विमर्श की जरूरत को मानते हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश में कमलनाथ द्वारा शुरू किए गए हिंदुत्व समर्थक कार्यक्रमों पर भी बात होने की पूरी उम्मीद है। 'इंडिया' गठबंधन को अपनी गतिविधियों के व्यापक प्रबंधन के लिए एक पूर्णकालिक संयोजक की भी जरूरत है, जिस पर सहमति नहीं बन पा रही है। किसी से छिपा नहीं है कि इसके लिए ममता बनर्जी, शरद पवार और नीतीश कुमार इसके कुछ दावेदार हैं, बशर्ते कांग्रेस नेतृत्व (गांधी परिवार और खरगे), उनसे औपचारिक अनुरोध करें। दिक्कत यह है कि कांग्रेस की योजना में संयोजक का पद कुछ अस्पष्ट वजहों से अनावश्यक माना जा रहा है। इन चुनौतियों को देखते हुए ममता, नीतीश और अखिलेश जैसे 'इंडिया' गठबंधन के नेता चाहते हैं कि कांग्रेस अपनी तरफ से सुलह के कुछ संकेत दे और अनौपचारिक तौर पर गठबंधन का नेतृत्व क्षेत्रीय दलों को सौंपे। यह कड़वी दवा ही कांग्रेस के लिए एकमात्र उपचार है, जिसके लिए वक्त तेजी से खत्म होता जा रहा है।

बाबा बालकनाथ को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाकर कई संदेश देना चाहती है भाजपा

राजस्थान के वर्तमान राजनीतिक हालात की बात करें तो नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले सबसे बड़ा सवाल था कि रिवाज बदलेगा या राज? जनता ने राज बदल कर रिवाज कायम रखा और इस बार सत्ता की बागडोर भाजपा को सौंप दी। भाजपा के हाथ में सत्ता की कमान आने के बाद अब पार्टी को फैसला करना है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाये तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार हैं लेकिन आलाकमान के रुख को देख कर लगता नहीं कि उन्हें इस बार सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। वसुंधरा राजे जिस तरह पांच साल विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए घर से नहीं निकलीं और अंतिम समय में कुर्सी की चाहत रख रही हैं वह जनता को भी नहीं भा रहा है। इस बीच, राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी कयासों के बीच भाजपा के राज्य प्रभारी अरुण सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री के संबंध में पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा।

दूसरी ओर, नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। हम आपको बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 199 सीटों में से 115 पर जीत हासिल की है। राजस्थान में अटकलें तो ऐसी भी हैं कि वसुंधरा राजे से अपने अच्छे राजनीतिक रिश्ते स्वीकार कर चुके निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जरूरत पड़ने पर कांग्रेस विधायकों का समर्थन वसुंधरा राजे को दिलवा सकते हैं। लेकिन वसुंधरा भाजपा से बगावत करेंगी, ऐसी संभावनाएं बेहद कम हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे 2003 से 2008 और 2013 से 2018 तक दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2018 में भाजपा की हार और पार्टी के भीतर बदले हालात के बाद ऐसा माना जाने लगा था कि वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया गया है। पहले के चुनावों में वह मुख्यमंत्री का चेहरा थीं लेकिन इस विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की तथा पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को आगे कर चुनाव लड़ा।

हम आपको बता दें कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अलवर के सांसद और तिजारा से विधानसभा चुनाव जीते बाबा बालकनाथ सबसे आगे चल रहे हैं। बाबा बालकनाथ के व्यक्तित्व का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी हाल में उनके एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा बालकनाथ के नामांकन के समय आये थे और उनके समर्थन में जनसभा को भी संबोधित किया था। यही नहीं, योग गुरु बाबा रामदेव तथा देश के कई प्रमुख संतों ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से बालकनाथ को चुनाव जिताने की अपील की थी। देखा जाये तो सांसद बालकनाथ को उतार कर तिजारा विधानसभा सीट जीतने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी वह सफल रही। अब माना जा रहा है कि भाजपा बालकनाथ को राजस्थान की कमान सौंप कर विपक्ष को कई संदेश भी देना चाहती है।

देखा जाये तो अशोक गहलोत की सरकार के दौरान राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति को जिस तरह बढ़ावा दिया गया उसके चलते रामनवमी और अन्य हिंदू त्योहारों पर दंगे और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसी घटनाएं देखने को मिलीं। धार्मिक प्रवृत्ति वाले इस शांत प्रदेश से लगातार अशांति की जो खबरें आईं वह देश के लिए भी चिंता का विषय बनीं इसीलिए भाजपा एक संत को कमान सौंपने पर विचार कर रही है। दूसरा, जिस तरह विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने सनातन धर्म पर लगातार हमले किये उसकी काट के लिए एक संत को कमान सौंप कर भाजपा देश भर के हिंदुओं को भी संदेश देना चाहती है कि एक तरफ कुछ लोग सनातन धर्म पर हमला कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा सत्ता की कमान संतों को दे रही है। इसके अलावा जिस तरह भाजपा के हिंदुत्व एजेंडे की काट के लिए अन्य पार्टियों के नेता भी चुनावों के दौरान मंदिर मंदिर जाते हैं उसको देखते हुए भी भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि हिंदुत्व की राह पर चलने वाली असली और मूल पार्टी वही है। भगवा पर हो रहे राजनीतिक हमलों को देखते हुए भाजपा भगवा को ही राजस्थान की राजनीति की कमान सौंपने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा बालकनाथ मूल रूप से यादव समाज से आते हैं जोकि ओबीसी श्रेणी में आता है। विपक्ष के नेता जाति जनगणना और ओबीसी का मुद्दा आजकल खूब उठा रहे हैं इसीलिए बालकनाथ का नाम आगे बढ़ाकर भाजपा विपक्ष के सारे अभियान की हवा निकाल देना चाहती है। इन सब वजहों से महंत बालकनाथ इस समय मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। जहां तक उनके व्यक्तिगत परिचय की बात है तो आपको बता दें कि उनका जन्म 16 अप्रैल 1984 को कोहरणा गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने साढ़े छह साल की उम्र में संन्यास अपना लिया था और घर छोड़ कर आश्रम चले गये थे। बाल्यकाल में बाबा खेतानाथ ने उनका नाम गुरुमुख रखा था। वह 1985-1991 तक मत्स्येंद्र महाराज आश्रम में रहे थे उसके बाद वह महंत चांदनाथ के साथ हनुमानगढ़ जिले के नाथावली थेरी गांव में एक मठ में चले गए थे। बालकनाथ नाथ सम्प्रदाय के आठवें मुख्य महंत भी हैं। उल्लेखनीय है कि नाथ संप्रदाय में गोरख पीठ को इस संप्रदाय का अध्यक्ष माना जाता है और रोहतक की पीठ को उपाध्यक्ष। इस नाते बालकनाथ नाथ संप्रदाय के आठवें महंत माने जाते हैं। वह एक तरह से योगी आदित्यनाथ के गुरु भाई भी हैं। हम आपको बता दें कि महंत चांदनाथ ने 29 जुलाई 2016 को बालकनाथ को अपने उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया था। उस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और योग गुरु बाबा रामदेव ने भी भाग लिया था। महंत बालकनाथ सांसद और विधायक होने के अलावा समाज सुधारक, वक्ता व आध्यात्मिक गुरु भी हैं। वह बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। हमेशा भगवा वस्त्र पहनने वाले और आध्यात्मिक छवि वाले बाबा बालकनाथ की गिनती भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं में होती है। वह खुलकर हिंदुत्व की बात करते हैं और जब वह विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन भरने आये थे और चुनावों के लिए प्रचार कर रहे थे तब कई बार वह बुलडोजर से गये थे और अपराधियों को तीन दिसंबर तक प्रदेश छोड़ने की चेतावनी दे दी थी। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान विभिन्न सर्वेक्षणों में भी बाबा बालकनाथ मुख्यमंत्री पद के लोकप्रिय दावेदार बनकर उभरे थे। बहरहाल, बाबा बालकनाथ के राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने की बढ़ती हुई संभावनाओं को देखते हुए संत समाज में खुशी की लहर है। आल इंडिया अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज और निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज ने कहा है कि बाबा बालकनाथ की छवि सिर्फ राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में बहुत अच्छी है। यदि वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो इससे समाज में एक अच्छा संदेश जायेगा। लगभग ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देश के अन्य प्रमुख संतों की ओर से भी आ रही हैं।

लघु आपराधिक लोक अदालत में 120 वादों का हुआ निस्तारण-छाया शर्मा, अपर जिल सचिव

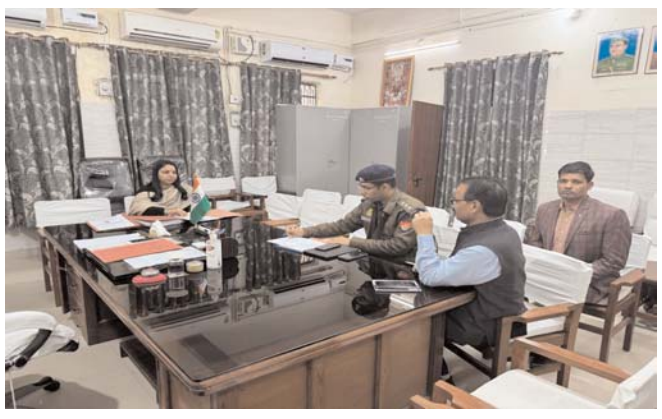

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मलखान सिंह की अध्यक्षता में एवं छाया शर्मा अपर जिला जज / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़ की देख-रेख में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 09.12.2023 को सफल बनाने हेतु जनपद न्यायालय हापुड़ में लघु आपराधिक वादों से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन बृहस्पतिवार को किया गया। जिसमें सभी न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालयों द्वारा कुल 486 वाद चिन्हित करते हुए कुल 120 वादों का निस्तारण किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय लोक अदालत आगामी 9 दिसंबर को सफल बनाने हेतु कल अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, हापुड़ मलखान सिंह की अध्यक्षता में जनपद के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक आहुत की गई। बैठक का संचालन नोडल अधिकारी / अपर जिला जज, हापुड़ डॉ0 रीमा बंसल की देखरेख में अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हापुड़ छाया शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में जनपद न्यायाधीश, हापुड़ मलखान सिंह द्वारा उपस्थित समस्त प्रशासनिक अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदलात में प्रशासन से संबंधित वादों का अधिक से अधिक संख्या में निस्तारण करने हेतु विशेष निर्देश दिये गये एवं समस्त अधिकारियों को भी ज्यादा से ज्यादा वाद प्री-लिटिगेशन के माध्यम से निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला विकास अधिकारी हापुड़ देवेन्द्र प्रताप, क्षेत्राधिकारी गढ़मुक्तेश्वर, आशुतोष शिवम, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 शैलेन्द्र कुमार व सम्भागीय परिवहन विभाग से आशुतोष उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम विकास खण्ड पिहानी के ग्राम ऐठाखेडा व पतरास में मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी द्वारा दोनो ग्रामों में यात्रा कार्यकम की आगवानी की गई। जिसमें ब्लाक प्रमुख कुशी बाजपेयी जी ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी भी उपस्थिति रहे। विकास खण्ड टडियावां में ग्राम रावल में मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्याम प्रकाश जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम अयारी में माननीय ब्लाक प्रमुख रवि प्रकाश जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम कसमण्डी में माननीय विधायक प्रभाष कुमार जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, अहिरोरी विकास खण्ड के ग्राम करीमनगर सैदापुर में भाजपा मण्डल अध्यक्ष अर्जुन सिंह चन्देल, विकास खण्ड सुरसा के ग्राम सुगंवा में समाज सेवी श्री धंनजय मिश्रा जी ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, सुरसा विकास खण्ड के ही ग्राम हुसियापुर में भाजपा मण्डल अध्यक्ष रजनीश कुमार, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड बिलग्राम के ग्राम कुतुआपुर में माननीय ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र कुमार सिंह जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड साण्डी के ग्राम सेमरिया में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी व ग्राम बरनई चतरखा में ग्राम प्रधान, खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड बावन की ग्राम रामपुर जटौली व ऐजा में भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड सण्डीला के ग्राम पहतोईया व उत्तरकौध में भाजपा मण्डल अध्यक्ष, ग्राम प्रधान एवं खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड भरावन के ग्राम पीपरगांव में जिला पंचायत सदस्य ओम प्रकाश अर्कवंशी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी व रूदौले नेवादा में समाज सेबी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी भी मौजूद रहे। विकास खण्ड मल्लावां के ग्राम मझियाजफरपुर में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड माधौगंज के ग्राम शाहपुर बसुदेव व सरायऊद में भजपा मण्डल अध्यक्ष रवेश सिंह जी, ग्राम प्रधान एवं खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड भरखनी के ग्राम भाभरकेशवेंपुर में श्री श्याम सिंह, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम मैकपुर में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड शाहाबाद में ग्राम कचूरा व गदाईपुर में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी द्वारा यात्रा कार्यकम में प्रतिभाग किया गया। माननीय मुख्य अतिथि जन प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुये बताया कि यह कार्यकम समस्त योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को संतृप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस हेतु सभी अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से कार्य कर समस्त योजनओं के पात्र लाभार्थी को लाभान्वित करें।

फलों से महंगा लहसुन, पहुंचा 300 के पार माह

वाराणसी। लहसुन के महंगा होने से दाल के छौंके व सब्जियों के स्वाद बिगड़ रहे हैं। थोक में 300 और फुटकर में लहसुन 300 रुपये किलो बिक रहा है। कारोबारियों के अनुसार, पांच साल पहले भी महंगा हुआ था, लेकिन इससे कीमत कम थी। हालांकि फरवरी के बाद सस्ता होने की उम्मीद है। उत्पादन घटने से आवक वाले राज्य मध्यप्रदेश व राजस्थान में भी लहसुन महंगा हो गया। ठंड और लगन से इसकी मांग भी बढ़ी है। इसके चलते इसकी कीमत में तेजी आई है। जुलाई से ही लहसुन महंगा बिकना शुरू हुआ था। तब 150 रुपये किला था। महंगा होने से पहड़िया मंडी में इसकी आवक आधी से भी कम हो गई है। इस समय रोज दो से तीन गाड़ी ही आ रही है। जबकि पहले आठ से 10 गाड़ी आती थी। व्यापारी रवि सिंह और राहुल मौर्य ने बताया कि मध्यप्रदेश में ही 230 व 240 रुपये किलो है। मंगाने का खर्च ज्यादा है। उम्मीद है कि फरवरी से नई फसल आने के बाद ही इसके दाम कम होंगे। हालांकि लगन खत्म होने के बाद कुछ कमी आएगी।

एक नज़र

08 दिसम्बर से 10 दिसम्बर के मध्य किया जायेगा भूमि पूजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिला परियोजन अधिकारी डूडा ने बताया है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थी आधारित व्यक्गित आवास निर्माण (बीएलसी) घटक के अन्तर्गत अनारंभ आवासों को प्रारंभ कराए जाने हेतु जनपद के सभी नगर निकाय में 08 दिसम्बर से 10 दिसम्बर 2023 के मध्य एक अभियान के रूप में भूमि पूजन का कार्यक्रम नगर निकाय स्तर पर जनपद के मंत्री, सांसद, विधायक, नगर निकाय अध्यक्ष एवं सभासदों की उपस्थिति में बृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत ऐसे लाभार्थीयो को आवास दिए जाने का प्राविधान है जिसके पास अपना स्वयं का पक्का मकान न हो इस योजना के अंतर्गत कुल 2.50 रुपया अनुदान के रूप में दिए जाने का प्राविधान है।

महापौर अर्चना वर्मा एवं नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम, 60 वार्ड-60 दिवस विशेष सफ़ाई अभियान के अन्तर्गत सफाई अभियान चलाया जा रहा

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। महापौर अर्चना वर्मा एवं नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के निर्देशानुसार नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम मनोज कुमार मिश्रा द्वारा वार्ड नं0-06 मोहल्ला अजीजगंज का मा0 पार्षद मनीष कुमार गुप्ता के साथ आकस्मिक निरीक्षण किया गया। मा0 महापौर द्वारा वर्तमान समय में नगर निगम, शाहजहाँपुर द्वारा विशेष सफ़ाई अभियान चलाया जा रहा है जिसके अन्तर्गत प्रतिदिन 04 वार्ड की सफ़ाई व्यवस्था दुरूस्त कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। अजीजगंज के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान वृन्दावन कॉलोनी, देवस्थान, सहज मार्ग के पास स्थित मन्दिर पर व्याप्त गन्दगी की सफ़ाई व्यवस्था दुरूस्त करायी गयी। निरीक्षण के समय समस्त सफ़ाई कर्मी अपनी-अपनी बीट पर उपस्थित पाये गये। मौके पर उपस्थित सफ़ाई एवं खाद्य निरीक्षक सी0वी0 सागर को कड़े निर्देश दिये गये कि वे अपने जोन में समस्त जगहों पर विशेष सफ़ाई अभियान जारी रखें जिससे आम जनमानस को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। जहाँ भी गन्दगी दिखे उसे तत्काल सफ़ाईकर्मियों की सहायता से हटवाया जाये। नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा समस्त सफ़ाईकर्मियों को निर्देश दिये गये कि वे अपनी ड्यूटी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए करें यदि किसी प्रकार की कोई शिकायत किसी कर्मचारी के विरूद्ध आती है तो उस पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इसके अतिरिक्त मोहल्ला मामूड़ी, अहमदपुर निवाजपुर, सदर बाजार में भी विशेष सफ़ाई अभियान के अन्तर्गत साफ़-सफ़ाई का कार्य सम्बन्धित सफ़ाई एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा कराया गया। निरीक्षण के दौरान मा0 पार्षद मनीष गुप्ता, सफ़ाई एवं खाद्य निरीक्षक सी0वी0 सागर, हरिवंश दीक्षित, सुनील कुमार शाक्य, संजीव कुमार के अतिरिक्त की अतिरिक्त संख्या में सुपरवाइजर व कर्मचारी मौजूद रहे।

कमीशन नही तो विकास कार्य नहीं निर्माण

ग्राम पंचायत मुड़िया पवार में आसामजिक तत्वों द्वारा प्रधान पर दबाव बनाया गया कार्य शुरू करने पर बने बाधा थाने पर दिया प्रार्थना पत्र लगाई न्याय की गुहार

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। थाना सिंधौली छेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मुड़िया पवार निवासी वर्तमान प्रधान तारावती ने थाना सिंधौली में थाना अध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की बही थाना अध्यक्ष ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आश्वासन दिया जांच पड़ताल करते हुए आरोपी पर कठोर कार्यवाही की जाएगी बही पीड़ित प्रधान तारावती ने बताया मेरी ग्राम पंचायत मुड़िया पवार के कुछ आसामाजिक तत्व तापेश गुप्ता व उनकी पत्नी प्रीति गुप्ता जो की शिक्षा मित्र है व सुरेश चंद्र गुप्ता,विपिन कुमार गुप्ता,तेजेंद्र सिंह,केशव सिंह निवासी मुड़िया पवार आदि ने चुनाव में सहयोग किया था तभी प्रधान तारावती से उक्त लोग विकास कार्यों में कमीशन मांगते हैं कमीशन नही दोगे तो कोई कार्य सरकारी ग्राम पंचायत मुड़िया पवार में नहीं करने देंगे बही दिनांक 7/12/2023 को समय करीब 8 बजे गांव में ही उच्च प्राथमिक विद्यालय में कायाकल्प निर्माण कार्य शुरू करवाया तभी उक्त सभी लोग एक राय होकर मजदूरों को कार्य करने से मना करते हुए धक्का मुक्की करते हुए गाली गलौज किया उसके बाद मजदूरों को भगा दिया और स्कूल में स्वयं ताला डाल दिया उसके बाद प्रधान पति विमलेश ने विरोध किया तो उक्त लोगों ने प्रीति गुप्ता शिक्षा मित्र व तापेष गुप्ता से पूंछतांच की तो उक्त लोगों ने पीड़िता तारावती के पति विमलेश को जाति सूचक गंदी गंदी गालियां देते हुए उन्हे एक थप्पड़ कान पर मार दिया जिससे बहुत कम सुनाई दे रहा आसामाजिक तत्वों द्वारा प्रधान तारावती को डरा धमकाकर कमीशन की मांग करते है कमीशन नही तो विकास कार्य नहीं करा पाओगे आसामाजिक तत्वों का कहना है।

40 × 50 फीट का मोमबत्तियां से बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी का चित्र बनाकर दी श्रद्धांजलि-ओमपाल सिंह

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में भारतीय संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉश भीमराव अंबेडकर जी के 67 वे महापरिनिर्वाण दिवस पर की रामलीला ग्राउंड में बाबा साहब की मोमबत्तियां से 40 × 50 फीट का एक विशाल केंडल से चित्र बनाकर भावपूर्ण श्रधांजलि अर्पित की गई इस आकृति को युवा आर्टिस्ट, असि. प्रोफेसर ओमपाल सिंह ने बनाया द्य पिछले 6 वर्षों से ओमपाल सिंह इस तरह से चित्र बना रहें हैं इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में राजेंद्र पाल गौतम, नगर पालिका चेयरमैन पुष्पा देवी, श्रीपाल ठेकेदार, डॉक्टर श्याम कुमार, डॉक्टर हरी ओम, प्रोफेसर योगेंद्र, हरि रत्न गौतम, रामशरण बौद्ध, रामरतन बौद्ध, थाना प्रभारी, नीरज कुमार, प्रोफेसर लक्ष्मण, भीमपाल गौतम, विनोद गौतम, अरुण कुमार कपिल कुमार विपिन कुमार अश्वनी कुमार, चरण सिंह, राजेंद्र कश्यप , सत्य प्रकाश, मर्यादाअम्बेडकर , गौतम मनी कुमार सुमित कुमार , दिनेश प्रधान, विपिन, गीता पेट्रिक, अंकित कुमार जितेंद्र कुमार आदि ने नमन करते हुई उनके पद चिन्हो पर चलने का संकल्प लिया

प्रादेशिक मुख्य आयुक्त के लिए डॉ. महेंद्र देव का नामांकन मंजूर

लखनऊ। भारी उठापटक और हंगामे के बीच बृहस्पतिवार को भारत स्काउट एंड गाइड के प्रादेशिक मुख्य आयुक्त के नामांकन में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव के नाम पर मुहर लग गई। निर्वाचन अधिकारी ने एसीपी नेहा त्रिपाठी और एसीएम-5 की मौजूदगी में देर शाम इसकी घोषणा कर दी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय मंत्री और प्रवक्ता डॉ. आरपी मिश्रा ने बताया कि प्रादेशिक मुख्यालय, गोल मार्केट महानगर में भारत स्काउट एंड गाइड में प्रादेशिक मुख्य आयुक्त पद के लिए नामांकन की स्क्रूटनी होनी थी। स्क्रूटनी का काम निर्वाचन अधिकारी बंद कमरे में करा रहे थे। इसका विरोध किया गया और पुलिस को सूचना दी गई। शाम चार बजे के बाद एसीपी नेहा त्रिपाठी और एसीएम पंचम ने पहुंचकर दरवाजा खुलवाया और स्क्रूटनी प्रक्रिया कराई।

जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा को झण्डा लगाकर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस दी शुभकामनाएं

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी ले0 कर्नल (अ0प्र0) विवेक सिहं, अधिकारी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास हापुड़ द्वारा जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा (आई.ए.एस.) को झण्डा लगाकर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सेना झण्डा दिवस स्मारिका अनावरण किया गया। पूर्व सैनिकों द्वारा मुख्यालय परिसर, विकास भवन, पुलिस मुख्यालय एवं जिला पंचायत भवन में स्थित सभी कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों को भी झण्डा लगाकर, सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर धन संग्रह अभियान चलाकर धन संग्रह किया गया। वारंट आफिसर (से0नि0) मनबीर सिंह, उपाध्यक्ष जिला सैनिक बंधु एवं ऑनरेरी कैप्टन (से0नि0) राजेशपाल, कैप्टन गोपीचन्द, कैप्टन महीपाल सिंह, सूबेदार चमन सिंह, सूबेदार चन्द्रवीर सिंह, सूबेदार किरनपाल सिंह, हवलदार राजवीर सिंह, हवलदार कृष्णपाल सिंह, हवलदार शाहिद अली, हवलदार आदिल चौधरी, हवलदार योगेन्द्र सिंह, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, ऑनरेरी फ्लाईट ले0 नन्हें सिंह, सूबेदार गजवीर सिंह, कैप्टन जगत सिंह सिरोही भूतपूर्व सैनिक आदि उपस्थित रहें।

इसके अतिरिक्त नेशनल कैडेट कोर के छात्रों द्वारा भी जनपद में आमजन को झण्डा लगाकर, सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर धन संग्रह अभियान चलाकर धन संग्रह किया गया।

बौद्धिसत्व बाबा साहब डॉ.अंबेडकर महापरिनिर्वाण कार्यक्रम आयोजन समिति द्वारा पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 67वें महापरिनिर्वाण दिवस पर बौद्धिसत्व बाबा साहब डॉ.अंबेडकर महापरिनिर्वाण कार्यक्रम आयोजन समिति द्वारा रामलीला ग्राउंड में विचार गोष्ठी कर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पुष्पा देवी नगर पालिका परिषद हापुड उपस्थित रही। जहां सर्वप्रथम बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के चित्र के सम्मुख मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता राजेंद्र पाल पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार, वक्तागण प्रोफेसर राजकुमार दिल्ली विश्वविद्यालय,अशोक सागर राष्ट्रीय अध्यक्ष समता सैनिक दल,मिथिलेश अध्यापिका,मर्यादा अंबेडकर समाजसेविका,सांस्कृतिक प्रस्तुति करने वाले बहुजन शशि भूषण,कवि डॉक्टर नरेश सागर, दिनेश प्रधान, डॉ.सचिन निगम व बहुजन समाज के लोगों ने पुष्प अर्पित कर कैंडल जलाकर नमन करते हुए बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को को याद करते हुए कहा कि भारत रत्न, भारतीय संविधान रचित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी स्वतंत्रता, समानता, विज्ञानवाद, मानवतावाद, सत्य व अहिंसा के प्रबल पक्षधर रहे साथ ही उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण, सामाजिक असमानता को दूर करने तथा महिलाओं व कमजोर वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्थित कर दिया था और राष्ट्र निर्माण हेतु समाज के उन्नयन एवं राष्ट्रीय आर्थिक विकास, संविधान के निर्माण व शिक्षा में बाबा साहेब का योगदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर प्रोफेसर ओमपाल आर्टिस्ट ने थाना हापुड़ नगर कोतवाल प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार जी के साथ मिलकर कैंडल जलाकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी का चित्र बनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की ।इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में रामशरण बौद्ध, संदीप बौद्ध ठेकेदार डॉक्टर हरिओम सिंह डॉक्टर शिव कुमार डॉ.अरुण कुमार डॉ.प्रवीण कुमार, डॉ गोविंद सिंह, प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह मास्टर हीरालाल केन, मास्टर नीरज कुमार, प्रोफेसर ओमपाल आर्टिस्ट, टेकचंद कैलाश हल्द्वानी, कपिल कुमार,केपी सिंह, जितेंद्र वर्मा आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा।

सड़क हादसे में पत्रकार की मौत क्षेत्र में शोक की लहर

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। थानाक्षेत्र के अंतर्गत बांदा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर दलसराय के निकट बुधवार की रात लगभग दस बजे रामनगर के तेजतर्रार पत्रकार मंगली प्रशाद शुक्ला की सड़क हादसे में मृत्यु हो गयी। विवरण के अनुसार पत्रकार मंगली प्रशाद शुक्ला पुत्र राधारमण शुक्ला निवाशी मोहल्ला रानी रामनगर व उनका साला ओमकार त्रिवेदी उर्फ कल्लू त्रिवेदी निवाशी रामनगर अपनी मोटरसाइकिल से बाराबंकी की तरफ से अपने घर की ओर जा रहे थे और दलसराय के पास पहुंचे ही थे कि अचानक आगे से आ रही अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिसकी वजह से साथी पत्रकार की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि ओमकार त्रिवेदी को गंभीर चोटें आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल घायल ओमकार त्रिवेदी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर भिजवाया और पत्रकार मंगली प्रशाद शुक्ला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तथा डॉक्टरों ने ओमकार त्रिवेदी की हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस हादसे की खबर सुनते ही क्षेत्र में शोक की लहर आ गयी। साथी पत्रकार की दो छोटी-छोटी बेटियां है। हादसे की खबर सुनकर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

सीएचसी पर मनाया गया बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। सीएचसी बंडा पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का महा परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। सीएचसी कर्मियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रृद्धा सुमन अर्पित किए। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर सीएचसी बंडा पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिनव गौतम ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के पहले मसौदे को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने अछूतों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ व निचली जातियों के उत्थान के लिए काफी संघर्ष किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ वीके वर्मा ने कहा कि बाबा साहेब के अनुयायी मानते हैं कि वह भगवान बुद्ध की तरह काफी प्रभावी और सदाचारी थे।और वह अपने कार्यों की वजह से निर्वाण प्राप्त कर चुके हैं।इसी लिए बाबा साहेब की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रुप में मनाया जाता है। उन्होंने सभी से बाबा साहेब के बताए रास्ते का अनुसरण करने की अपील की। कार्यक्रम में विवेक वर्मा, जनमेजर सिंह, दिनेश शर्मा, शोभित,सचिन त्रिवेदी श्रीदेव, ओमप्रकाश, तेजस्वी बाथम, अनुराग गुप्ता,लाला राम, सतीश चन्द्र सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रदूषण से मुक्ति व रोजगार की मांग को लेकर खून से लिखा ज्ञापन मुख्यमंत्री को देंगे किसान-टीकम नागर

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

जनपद हापुड़ के धौलाना विधानसभा के औधोगिक क्षेत्र में प्रदूषण से मुक्ति व रोजगार की मांग को लेकर कोका कोला कंपनी के गेट पर चल रहा किसानों का अनिश्चित कालीन धरना 19 वे दिन भी जारी रहा धरने की अध्यक्षता बृजेश प्रधान ने की व संचालन सतीश यादव ने किया। किसान सभा प्रभारी टीकम नागर ने बताया कि एसडीएम संतोष कुमार उपाध्याय की मौजूदगी में किसानों का प्रतिनिधि मंडल व कोका कोला कंपनी के सीईओ चंद्रमोहन गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों की वार्ता एसडीएम कार्यालय में हुई जो पूरी तरह विफल रही, कंपनी पहले की तरह इस बार भी किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रही हैं कंपनी अधिकारियों द्वारा कोई भी ठोस व जिम्मेदारी भरा आश्वाशन नही दिया गया है,जिसको लेकर 19 दिन से कड़कती ठंड में धरने पर बैठे किसानों में काफी रोष व्यक्त हो गया ओर किसानों ने धरने पर पंचायत कर नोएडा में मुख्यमंत्री के आगमन पर उनसे मिल कर खून से लिखे ज्ञापन को देकर अपनी समस्याओं से अवगत कराएंगे किसान नेता वीर सिंह नागर ने कहा कि किसान सभा पूरी तरह किसानों के साथ है प्रदूषण से मुक्ति व रोजगार स्थानीय किसानों का अधिकार है जो उनको मिलना चाहिए,19 दिन से किसान धरने पर हैं लेकिन कोई सुनने को तैयार नही है पूंजीपतियों द्वारा क्षेत्र में जल व वायु प्रदूषण जारी है लेकिन अधिकारी किसानों द्वारा बार बार शिकायत करने के बाद भी शांत हैं,समस्याओं का समाधान नही होने पर मजबूर किसान सैकड़ों की संख्या में कल मुख्यमंत्री के नोएडा आगमन पर मिलकर शिकायत करेंगे जिसमे गौतमबुद्धनगर किसान सभा के साथी भी सैकड़ों की संख्या में शामिल होंगे। धरने पपर नितिन प्रधान,विनीत नागर,गबरी मुखिया, अजबसिंह प्रधान,सतीश यादव, सतवीर हवलदार,सुरेश यादव,अबुजर चौधरी, फरमान अली, सुरेन्द्र नेता जी, महाशय अमरपाल,मोहित चौधरी,बेगराज नेता जी, प्रिन्स प्रधान, हरिशचंद्र प्रधान, मोबीन प्रधान, प्रभु नम्बरदार, राजू नागर, धीरज नागर, लीलू महाशय, इकबाल अली, सरला देवी, जगवती देवी, आदि उपस्थित थे।

क्षय रोग की पुष्टि होने पर तीन दिन के अंदर यूडीएसटी कराने के दिए सीएमओ ने दिए निर्देश

निर्देश

सीएमओ ने पीटीईआर बढ़ाने पर दिया जोर, पुष्टि होने पर 24 घंटे में शुरू हो उपचार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। क्षय रोगियों की जल्दी पहचान और उपचार शुरू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान संपन्न होने के साथ ही संवेदीकरण कार्यशाला और निजी क्षेत्र में नोटिफिकेशन बढ़ाने के लिए सात दिवसीय (सात से 14 दिसंबर) विशेष अभियान शुरू किया गया है। बृहस्पतिवार को दस्तोई रोड स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय सभागार में जिले भर के मेडिकल ऑफिसर (एमओ) का संवेदीकरण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. सुनील कुमार त्यागी की अध्यक्षता में हुई संवेदीकरण कार्यशाला में क्षय रोगियों की जल्दी पहचान और तत्काल उपचार शुरू करने पर जोर दिया गया। एसीएमओ डा. केपी सिंह और डब्ल्यूएचओ कंसलटेंट डा. रेणु डफे ने कहा टीबी उन्मूलन कार्यक्रम प्राथमिकता वाला कार्यक्रम है, इस पर सबको मिलकर काम करना है। संवेदीकरण कार्यशाला के दौरान सीएमओ डा. सुनील त्यागी ने सभी चिकित्सकों को निर्देश दिए - ओपीडी में आने वाले किसी रोगी में यदि टीबी का एक भी लक्षण है तो उसकी टीबी जांच अवश्य कराएं। ध्यान रहे कि हर हाल में ओपीडी में आने वाले रोगियों में से कम से कम पांच प्रतिशत रोगियों की टीबी जांच आवश्यक है। पीटीईआर (प्रीसंपटिव टीबी एग्जामिनेशन रेट) यानि प्रति लाख व्यक्तियों पर होने वाली जांच बढ़ानी है। टीबी जांच पॉजिटिव आने पर 24 घंटे में निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण और उपचार शुरू किया जाए। इसके साथ ही तीन दिन में रोगी का यूडीएसटी (यूनिवर्सल ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्ट) कराया जाए। जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डा. राजेश सिंह ने बताया - सीबी नॉट मशीन से यूडीएसटी परीक्षण के जरिए यह पता लगाने में मदद मिलती है कि रोगी पर कौन सी दवाएं कारगर होंगी, यानि यूडीएसटी परीक्षण से हर रोगी के लिए सटीक उपचार तय करने में मदद मिलती है। डीटीओ ने कहा - देश को किसी भी संक्रामक रोग से मुक्त करना है तो यह जांच और उपचार में तेजी लाकर ही किया जा सकता है।

टीबी की बीमारी सांस के जरिए फैलती है। जांच में देरी होने पर रोगी से उसके संपर्क में आने वालों को संक्रमण होने का खतरा रहता है, जबकि उपचार शुरू होने के दो माह में रोगी से संक्रमण फैलने का खतरा खत्म हो जाता है। कार्यशाला को संयुक्त जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. प्रदीप मित्तल ने कहा - दो सप्ताह से अधिक खांसी या बुखार, खांसी में बलगम या खून आना, रात में सोते समय पसीना आना, वजन कम होना, थकान रहना, भूख न लगना और सीने में दर्द टीबी के लक्षण हो सकते हैं, इनमें से कोई भी लक्षण आने पर रोगी की टीबी जांच कराएं। कार्यशाला में जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी और जिला कार्यक्रम समन्वयक दीपक शर्मा का सहयोग रहा। एसीएफ में 49 क्षय रोगी खोजे गए,जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी ने बताया - जनपद में 23 नवंबर से पांच दिसंबर तक चले सक्रिय क्षय रोगी खोज (एसीएफ) अभियान में 49 नए क्षय रोगी खोजे गए हैं। निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण के साथ ही सभी का उपचार शुरू कर दिया गया है। अभियान के अंतर्गत जिले में 3.33 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई, स्क्रीनिंग के दौरान लक्षण युक्त मिले 6285 लोगों की स्पुटम (बलगम का नमूना) जांच के बाद 26 और क्लीनिकल डायग्नोसिस के बाद 23 रोगियों की पुष्टि हुई।

दफन शव को निकलवाने पहुंची पुलिस कब्र में मिले सिर्फ कपड़े

संवाददाता

उन्नाव। यूपी के उन्नाव स्थित गंगाघाट कोतवाली के जाजमऊ पुलिस चौकी क्षेत्र के प्रीतमखेड़ा में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। परिजनों ने शव को अचलगंज थाना क्षेत्र के बंदीपुरवा गांव की गंगा कटरी में दफन करा दिया था। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने कोर्ट के आदेश पर हत्या की दो पर रिपोर्ट दर्ज कराई। शव को पोस्टमार्टम कराने की गुहार लगाई, जिस पर गुरुवार को डीएम के निर्देश पर एसडीएम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कब्र खोदवाई, लेकिन सिर्फ कपड़े ही मिले। टीम को बैरंग लौटना पड़ा। बता दें कि प्रीतमखेड़ा निवासी स्व. राजेंद्र के बेटे अभिषेक रावत का मुन्ना फार्म हाउस के अंदर सात मार्च की सुबह फंदे पर लटका मिला था। मृतक की मां सरला के अनुसार लोगों ने उसे डरा धमका कर जल्द दफन करवा दिया था। हालांकि, उन्हें शंका थी कि बेटे की हत्या हुई है। इसके बाद पुलिस से शिकायत की, लेकिन पुलिस ने अनसुना कर दिया। उन्होंने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश पर गंगाघाट पुलिस ने यहीं के रहने वाले रामू लोधी व मुन्ना मुसलमान के खिलाफ हत्या और एससी एसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज करा जांच शुरू की। इसी बीच मृतक की मां ने डीएम से दफन शव निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने का आग्रह किया। डीएम के निर्देश पर गुरुवार को एसडीएम सदर नम्रता सिंह, संयुक्त निदेशक अभियोजन आरडी पांडे, सीओ सिटी आशुतोष कुमार के अलावा गंगाघाट और अचलगंज का फोर्स बंदीपुरवा गंगा कटरी पहुंचा। शव को खोजने के लिए करीब चार घंटे तक जद्दोजहद की गई, लेकिन शव का कुछ पता नहीं चला। कब्र में सिर्फ कुछ कपड़े मिले, जो जांच के लिए लिए गए। सीओ ने बताया की शव की तलाश की गई। जहां शव दफनाया गया था, वहां बाढ़ का पानी आ जाता है, जिससे शव के बह जाने की आशंका है। वहीं, मृतक के परिजनों का आरोप रहा मृतक अभिषेक का शव गायब कर दिया गया है।

एक नज़र

क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

द अचीवर टाइम्स,। सुशील अवस्थी

महमूदाबाद सीतापुर। रामपुर मथुरा में ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि सीता ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन रमेश वाजपेयी %विरल% ने क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ कर विजेताओं को पुरस्कृत किया।विशिष्ट अतिथि रामपुर थाना प्रभारी महेश चंद्र पाण्डेय जी कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षाधिकारी नवीन कुमार जी ने की एवम क्रीड़ा शिक्षक राज कुमार मौर्य , राम मनोरथ अवस्थी , अमर बहादुर सिंह , अरविंद अवस्थी ,प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष जंग बहादुर ,पंकज श्रीवास्तव , प्रशांत दीपक वर्मा , अर्चना कनौजिया , पल्लवी जी, संदीप वर्मा ,पंकज वर्मा , अमित वर्मा , दीप्ति शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अध्यापक उपस्थित थे। पूर्व वर्ष की मण्डल विजेता शाइमा ने ट्रैक में मशाल लेकर दौड़ लगाई। सफल संचालन विनायक मिश्र ने किया।

वाराणसी में सामूहिक आत्महत्या

आंध्र के दंपती ने दो बेटों के साथ फंदा लगाकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखी आपबीती

वाराणसी। आंध्र प्रदेश के दंपती ने दो बेटों के साथ फंदा लगाकर जान दे दी। तेलुगू में सुसाइड नोट लिखा है। जिसमें मरने की वजह बताई गई है। आंध्रा आश्रम के काशी कैलाश भवन में तीन दिसंबर से एक कमरा लेकर ठहरे थे। सात दिसंबर को चेक आउट करना था। देवनाथपुरा स्थित आंध्रा आश्रम के काशी कैलाश भवन के दूसरे तल पर स्थित कमरे में फंदा लगाकर आंध्र प्रदेश निवासी दंपती और उनके दो बेटों ने जान दे दी। बृहस्पतिवार की शाम भवन के मैनेजर की सूचना पर पहुंची दशाश्वमेध थाने की पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर चारों का शव फंदे से नीचे उतारा।

कमरे में मिला सुसाइड नोट

कमरे में मिली एक डायरी के ढाई पेज में तेलुगू में लिखे गए सुसाइड नोट के अनुसार सामूहिक आत्महत्या की वजह पैसे के लेनदेन का विवाद और आर्थिक तंगी है। आंध्र प्रदेश पुलिस को सूचना देकर दंपती और उनके दोनों पुत्रों का शव शिवपुर स्थित मोर्चरी में रखवाया गया है।

किराए पर लिया था कमरा

आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के धर्मागुड़मू स्ट्रीट, मंडापेटा निवासी कोंडा बाबू (50), पत्नी लावन्या (45) और दो बेटों राजेश (25) व जयराज (23) के साथ बीते तीन दिसंबर की सुबह साढ़े 11 बजे देवनाथपुरा स्थित काशी कैलाश भवन पहुंचे थे। भवन के मैनेजर सुंदर शास्त्री ने बताया कि चारों लोगों के लिए 350 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से द्वितीय तल पर स्थित एस-6 कमरा राजेश ने बुक कराया।

कमरा नहीं खोलने पर पुलिस को जानकारी दी

सात दिसंबर की सुबह उन्हें चेक आउट करना था और पूरा भुगतान छह दिसंबर को ही कर दिया गया था। बृहस्पतिवार की सुबह नौ बजे सफाईकर्मी पुष्पा साफ-सफाई के लिए कमरे का दरवाजा खटखटाई तो नहीं खुला। शाम पांच बजे के लगभग वॉचमैन ने फिर कमरे का दरवाजा खटखटाया तो नहीं खुला। शंकावश उसने कमरे की खिड़की को धकेल कर देखा तो एक व्यक्ति फंदे के सहारे लटका दिखा। आनन-फानन इसकी सूचना पुलिस को दी गई। डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर घुसने पर दंपती और उनके दोनों बेटे कमरे की छत में लगे लोहे के एंगल के चार अलग-अलग हुक के सहारे नायलॉन की रस्सी से लटके हुए थे। सुसाइड नोट के अनुसार, चारों लोगों के आत्महत्या की वजह पैसे के लेनदेन का विवाद और आर्थिक तंगी है। आंध्र प्रदेश पुलिस को सूचना दी गई है। दशाश्वमेध थाने में मुकदमा दर्ज करा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। - मुथा अशोक जैन, पुलिस आयुक्त।

डिजिटल लॉक बढ़ा रहा दिल का दर्द

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल के हृदय रोग विभाग में मरीजों को सीसीयू में बेड न मिलने का संकट दूर नहीं हो पा रहा है। वार्डों में लगा डिजिटल लॉक अब तक नहीं हट सका है। विभागाध्यक्ष प्रो. ओमशंकर ने कुलपति को पत्र लिखकर सकारात्मक कार्रवाई की मांग की है। इसके लिए सप्ताह भर का समय दिया है। ऐसा न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। बीएचयू में सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक में बने हृदय रोग विभाग के 41 बेड (सीसीयू 17 और सामान्य 24 बेड) पर करीब डेढ़ साल से मरीज भर्ती नहीं हो पा रहे हैं। दरअसल अस्पताल प्रशासन की ओर से लगाए गए डिजिटल लॉक की ओर से कंप्यूटर पर बेड खाली नहीं दिखता है। इससे मरीज अस्पताल से वापस चले जाते हैं। विभागाध्यक्ष ने छह दिसंबर को कुलपति को भेजे पत्र में लिखा है कि ब्लॉक के निर्माण के समय से ही पांचवें तल पर हृदय रोग विभाग और सीटीवीएस विभाग को आधी-आधी जगह आवंटित हुई थी। इसके बाद भी हृदय रोग विभाग के हिस्से में आने वाली जगह पर एसी का सेटअप लगाकर उस जगह को कम कर दिया गया है।

अखिलेश-ओवैसी मामले में टली सुनवाई, न्यायालय ने दी तारीख

संवाददाता

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग के वजूस्थल के पास गंदगी फैलाने और भड़काऊ बयानबाजी के मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सांसद असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ मामला चल रहा है। इसी मामले में न्यायालय ने गुरुवार को सुनवाई को टाल दिया है। अब अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी। ओवैसी की तरफ से कहा गया है कि उनकी तरफ से हाईकोर्ट से अधिवक्ता आएंगे। तब दलील रखेंगे। ऐसे में अपर सत्र न्यायाधीश नवम की अदालत ने सुनवाई की तारीख 15 दिसंबर को नियत कर दी है।

क्या है मामला?

हरिशंकर पांडेय ने कोर्ट में अधिवक्ता आरपी शुक्ल,अजय प्रताप सिंह, घनश्याम मिश्र के जरिये कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया था कि ज्ञानवापी परिसर में नमाजियों की ओर से वजूखाने में हाथ-पैर धोए जाते हैं और गंदगी फैलाई जाती है। जबकि वह स्थान हमारे अराध्य भगवान शिव का स्थान है। यह हिंदू समाज के लिए अपमानजनक है। इसके साथ ही सर्वे में मिले शिवलिंग को लेकर एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आदि ने ज्ञानवापी प्रकरण पर बयान देकर हिंदुओं की भावनाओं पर कुठाराघात किया है।

पीएम आवास योजना की सूची में नाम होने पर भी नहीं मिला लाभ

एक ही नाम की दूसरे गांव की महिला के नाम भेज दी आवास योजना की किस्त

- मिर्जापुर ब्लाक के ग्राम इस्माइलपुर की गुड्डी का पति अफसरों के चक्कर काट रहा, प्रधान और सचिव पर मिलीभगत का आरोप

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर(मिर्जापुर)। हर गरीब को रहने के लिए छत मिल सके इस सोच के साथ शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना में जमकर धांधली की जा रही है। गरीब को भले ही इसका लाभ कम मिले लेकिन इस योजना में अफसर और प्रधान खूब अपनी जेब गरम कर ले रहे हैं। ताजा मामला भी प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ा हुआ है जिसमे पात्रता सूची में नाम होने बाद भी एक ही नाम की दूसरी महिला के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त भेज दी गई, जबकि असली नाम वाली महिला अफसरों के चक्कर काट रही है। लेकिन मजाल क्या कोई जिम्मेदार अफसर उस गरीब की शिकायत सुनकर उसका निस्तारण कर सके। मामला ब्लाक मिर्जापुर के ग्राम इस्माइलपुर का है। दरअसल यहां की रहने वाले रामदास की पत्नी गुड्डा का नाम प्रधानमंत्री आवास सूची में अंकित है। जब प्रधानमंत्री आवास का ग्राम पंचायत में ग्राम सचिव के द्वारा निरिक्षण किया गया था तो उसके परिवार का फोटो भी अपलोड़ किया गया था। आरोप है कि ग्राम पंचायत अधिकारी व किंगश राजपूत, ग्राम प्रधान संगीता अधिकारी कि मिली भगत रामदास की पत्नी गुड्डी के स्थान पर गांव भट्ठा मडैया की गुडडी पत्नी रामदास पुत्र हवलदार को निवासी दे दिया गया। जबकि उसमे बैंक ऑफ बड़ौदा का उसका खाता नम्बर 11790100014979 दिया है। सभी किस्तो का भूगतान भी कर दिया गया है दिनांक 06-08-2021 को प्रथम किस्त एवं द्वितीय किस्त का भूगतान दिनांक 11-09-2021 तृतीय किस्त 10-12-2021 को कर दिया गया तथा फर्जी ढंग से फोटो को भी उपलोड कर दी गई। रामदास ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई है कि पात्र होने नाते उसे आवास योजना का लाभ दिलवाया जाए साथ ही सचिव और ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

इंदिरा नगर थाने से तबादले के बाद भी वहीं जमे है सिपाही अमन शुक्ला

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मामला इंदिरा नगर थाने का है। यहां पोस्टिग के लिए मातहतों ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर के आदेश का भी बाइपास निकाल लिया अधिकारियों को अंधेरे में रखकर कई सिपाही स्थानांतरण के बावजूद फिर उसी थाने में काम कर रहे हैं जहां से उनका तबादला हो चुका है। हालांकि अभी इस बाइपास के जरिए कुछ सिपाही मनमाना कर रहे हैं। पुलिस विभाग में जनता की शिकायतों को दबाना आम बात है, लेकिन अब उच्च अधिकारियों के आदेश भी अधीनस्थ दबाकर बैठ जाते हैं। ट्रांसफर के बाद रिलीव नहीं करने का चल रहा खेल, थानेदार से लेकर सिपाही तक नहीं छोड़ रहे जगह सरकार द्वारा स्थानांतरण आदेश के बाद भी विभागों में जमे हुए हैं। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य सरकार काम में पारदर्शिता लाना है लेकिन पुलिस विभागों में ऐसा नहीं होता।सरकार के आदेश की उन्हीं के अफसर अनदेखी कर रहे हैं।ऐसा अक्सर दो कारणों से होता है।यदि सरकार के तबादला आदेश के बाद कोई अधिकारी कोर्ट से स्टे नहीं लिया है तब भी वह अपने अपने पद पर जमा है। इसका सीधा सा मतलब यही होता है उसने अपने उच्च अधिकारी से सेटिंग कर ली है। इसी वजह से वह विभाग से रिलीव नहीं हो रहे है। दूसरा यह होता है कि वह रिलीव तो हो गया लेकिन तबादला के बाद तय जगह पर उसने ज्वाइनिंग नहीं ली। सबकुछ जानकर ध्यान देने को तैयार नहीं है इंदिरा नगर इंस्पेक्टर सुनील कुमार, इनके कारण जारी है मनमानी, लोग लगा रहे मिलीभगत का के आरोप ट्रांसफर के बाद नहीं हुए रिलीव विभागीय सूत्र के अनुसार अधिकारियों की आपसी मिलीभगत से इंदिरा नगर थाने में तैनात कांस्टेबल अमन शुक्ला तबादले के बाद भी रिलीव नहीं किया जा रहा है। जिसका कारण है मोटी कमाई का जरिया मौजूद कई महीनो से इंदिरा नगर थाने के सभी अवैध कामों पर नजर रखने वाले सिपाही अमन शुक्ला की इंदिरा नगर इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी रवानगी इसलिए नहीं करते क्योंकि पूरे इंदिरा नगर थाने का कर्ताधर्ता कर खास कांस्टेबल अमन शुक्ला का है महीना पहले हो चुका है ट्रांसफर थाना अलीगंज में उसके बाद भी नहीं हुई रवानगी उच्च अधिकारी क्यों नहीं लेते संज्ञान

फैजुल्लागंज में एक मुश्त समाधान योजना (OTS) जन जागरण रैली निकाली गई

द अचीवर टाइम्स आनंद पांडेय

लखनऊ। जानकारी के लिए आप सभी को पता होना चाहिए प्रदेश में करीब 30 हजार करोड रुपए से अधिक का बकाया राशि है इस राशि को वसूलने के लिए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की तरफ से ओटीएस स्कीम लाया गया उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा सभी अधिकारियों से अपील है इस योजना का प्रचार प्रसार व्यापक स्तर पर करे जिससे सभी उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा कर अपना बकाया बिजली बिल जमा कर सके। जिस पर विद्युत नगरीय वितरण उपखंड फैजुल्लागंज के अंतर्गत गुरुवार को एक मुश्त समाधान योजना जनजागरण रैली निकाली गई जिसमें अधिशासी अभियंता विद्युत नगरीय वितरण खंड सीतापुर रोड इंजीनियर मनोज कुमार गुप्ता, उपखंड अधिकारी इंजीनियर दीपेंद्र सिंह, अवर अभियंता फैजुल्लागंज इंजीनियर सुरेश कुमार और अवर अभियंता दाउदनगर इंजीनियर आकर्ष श्रीवास्तव एवं उपखंड के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। जिन्होंने रैली के दौरान उपभोक्ताओं को एक मुफ्त समाधान योजना के फायदे बताएं साथ ही यह भी बताया कि बकायादारी पर स्थाई रूप से काटे जा चुके कनेक्शन के मामलों के साथ ही विवादित एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों में भी ओटीएस योजना का लाभ उठाया जा सकता है बिजली चोरी के मामलों में देय निर्धारण राशि का कुछ हिस्सा पंजीकरण राशि के रूप में योजना का लाभ लेने के लिए जमा कराना होगा। एकमुश्त समाधान योजना जन जागरण रैली के माध्यम से मुख्यमंत्री के आदेशों का कड़ाई से पालन करते दिखाई दे रहे अधिकारी गण।

बोट क्लब घूमने के लिए अब 30 रुपये कम देने पड़ेंगे

संवाददाता

कानपुर। मार्निंग वॉकर के लिए प्रति माह के हिसाब से 150 रुपये शुल्क घटाया गया है। बोट क्लब की कई अन्य सुविधाओं के लिए भी शुल्क में कमी की गई है।

गंगा बैराज स्थित बोट क्लब के शुल्क में 30 रुपये की कमी की गई। यह कमी सुबह 9 से 11 बजे और शाम 6 से 8 बजे के बीच परिसर में घूमने के लिए की गई है। इसी तरह मार्निंग वॉकर के लिए प्रति माह के हिसाब से 150 रुपये शुल्क घटाया गया है। बोट क्लब की कई अन्य सुविधाओं के लिए भी शुल्क में कमी की गई है। यह फैसला गुरुवार को मंडलायुक्त अमित गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में लिया। उन्होंने बताया कि बोट क्लब पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए फ्लोटिंग रेस्टोरेंट और क्रूज की सुविधा पर भी जल्द ही काम शुरू होगी। इसके लिए अधिकारियों की टीम को दिशा निर्देश जारी कर दिया गया है। शिविर कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि बोट क्लब में हर आने वाले को यह महसूस होना चाहिए कि अब कानपुर पर्यटन आकर्षण शहर बन गया है। कहा कि प्रत्येक गतिविधि में सुरक्षा मानकों तथा गंगा नदी संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन पर भी ध्यान देना होगा। सचिव जलक्रीड़ा नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि बोट क्लब पर राष्ट्रीय स्तर की जल क्रीड़ा के लिए भारतीय क्याकिंग / कैनोइंग एसोसिएसन के साथ वार्ता की गई है। नए वर्ष की शुरुआत में यह प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। बताया कि कानपुर से प्रयागराज तक गंगा वाटर रैली का आयोजन फरवरी में कराये जाने की तैयारी चल रही है। इसके तहत उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज के जिला प्रशासन को पत्र भेजा जा चुका है। बताया कि 24 दिसम्बर को बोट क्लब के संचालन को एक वर्ष पूरा हो जाएगा। पहली वर्षगांठ पर रोमांचक आयोजन किए जाएंगे। मंडलायुक्त ने इसके लिए तीनों सचिवों से रूपरेखा तैयार करने को कहा। बैठक में नगर आयुक्त शिव शरणप्पा जीएन के अलावा केडीए सचिव शत्रोहन वैश्य, एडीएम सिटी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इस तरह घटाया गया बोट क्लब का शुल्क

- प्रातः 09 बजे से प्रातः 11 बजे तक तथा अपरान्ह 06 बजे से सायं 08 बजे तक टिकट दर 80 रुपये से घटाकर 50 रुपये किया।
- मार्निंग वाकर के लिये मासिक शुल्क 600 रुपये से घटाकर 450 रुपये अथवा प्रतिदिन 20 रुपये किया गया। यह शुल्क प्रातः 09 बजे तक मान्य रहेगा।
- 08 व्यक्तियों के साथ प्री वेडिंग शूट हेतु शूट की दर 8000 रुपये से घटाकर 04 घंटे के लिये 3000 रुपये तथा 2 घण्टे के लिये 2000 रुपये तथा 04 घण्टे से अधिक समय के लिये 6000 रुपये किये गये।

भाजपा सरकार में पूर्व सैनिक सुरक्षित नहीं: शिवपाल यादव

संवाददाता

इटावा। इटावा जिले में भाजपा नेता और उसके साथियों के हमले में घायल हुए पूर्व सैनिक का गुरुवार को सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने हाल जाने। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा में पूर्व सैनिक सुरक्षित नहीं है। भाजपा नेता उन्हें पीट रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी भी नहीं हो रही है। सुबह 11 बजे मेडिकल कॉलेज पहुंचे शिवपाल सिंह ने बैदपुरा के गांव नगला पुल निवासी पूर्व सैनिक रविंद्र सिंह के स्वास्थ्य का हाल-चाल लिया। वहां मौजूद सैनिक की पत्नी रेखा देवी एवं परिजनों ने शिवपाल सिंह यादव को बताया 14 दिन भाजपा नेता ने अपने साथियों के साथ रविंद्र पर हमला कर दिया था। इससे उनके दोनों पैर तोड़ दिए थे। रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद मुख्य आरोपी गिरफ्तार नहीं किया जा सका। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने पीड़ित की बात सुनकर न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उसके बाद विश्वविद्यालय के विभिन्न वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों की समस्याएं सुनीं।

भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त

चिकित्सकों से कहा यहां दूर दराज से मरीज इलाज के लिए आते हैं। इनको बेहतर इलाज मिले किसी को कोई दिक्कत नहीं हो। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। पुलिस कस्टडी में सरेआम हत्याएं हो रही हैं।

हमारी सरकार में सबसे अधिक सैनिकों को सम्मान दिया

जब पुलिस कस्टडी में हत्याएं हो रही हैं तो आम आदमी कैसे सुरक्षित हो सकता है। इस सरकार में पूर्व सैनिक सुरक्षित नहीं हैं, जबकि हमारी सरकार में सबसे अधिक सैनिकों को सम्मान दिया गया था।

CLAT 2024 परीक्षा आसान से मध्यम रही

❖ कानून के उम्मीदवारों को परीक्षा के बाद अवसरों का पता लगाने में मदद करने के लिए, लीगलएज लीगलएज बाय टॉपरैंकर्स वन टू वन काउंसलिंग सत्र "CLAT 2024 के बाद आगे क्या " ला रहा है।

लखनऊ। क्लैट 2024 में 120 प्रश्नों के साथ एक अद्यतन परीक्षा पैटर्न था और संशोधित पेपर पैटर्न ने अनिश्चितता के बादल पैदा कर दिए थे, हालांकि, सभी की उम्मीदों के विपरीत क्लैट 2024 का पेपर आसान से मध्यम था। 105 से अधिक प्रयासों की एक अच्छी संख्या है और शीर्ष 3 राष्ट्रीय लॉ स्कूलों के लिए 90 से अधिक एक अच्छा स्कोर है। अनुभागीय विश्लेषण की बात करें तो अंग्रेज़ी अनुभाग आसान था। प्रश्न साहित्य-आधारित और मुद्दे से संबंधित थे और इन्हें समाप्त करके हल किया जा सकता था। कोई शब्दावली प्रश्न नहीं थे। सामान्य ज्ञान सेक्शन आसान था और अधिकांश प्रश्न पेसेज पर आधारित थे। कुछ प्रश्न %क्यों% पर थे और विश्व के मामलों और राजनीतिक घटनाओं पर प्रश्न थे जैसे त्न 20, गाजा स्ट्रिप, इसरो, और जलियांवाला बाग। मात्रात्मक योग्यता अनुभाग आसान से मध्यम था और इसमें बुनियादी मामले थे। जनसंख्या सर्वेक्षण पर आधारित प्रश्न अपेक्षाकृत लंबे थे। अनुपात और समानुपात के बारे में प्रश्न थे। कानूनी तर्क अनुभाग की बात करें तो किशोर न्याय अधिनियम, शून्य और अमान्यकरणीय विवाह, व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक आदि पर छोटे अनुच्छेदों के साथ अनुभाग आसान था। एक प्रश्न केस आधारित था और अनुभाग में ज्यादातर वर्तमान कानूनी ज्ञान पर प्रश्न थे। तार्किक तर्क अनुभाग में उत्पादन दक्षता पर थोड़े भ्रमित करने वाले अंश के साथ अनुभाग को मॉडरेट करना आसान था। इस खंड में अनुमान, ताकत और कमजोरी पर कुछ प्रश्नों के साथ अनुच्छेदों की लंबाई आश्चर्यजनक रूप से कम थी। क्लैट 2024, इसके संशोधित पैटर्न के बावजूद, आश्चर्यजनक रूप से 120 प्रश्नों के साथ अपेक्षाकृत अद्यतन अनुभागों में साहित्य-आधारित अंग्रेजी, मार्ग-केंद्रित जीके और प्रबंधनीय कानूनी तर्क के साथ-साथ आसान-से-मध्यम अनुभाग शामिल रहे जैसे क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और लॉजिकल रीजनिंग ने छात्रों के लिए अनुकूल स्कोर प्राप्त करने के उच्च अवसर प्रदान किये। इच्छुक कानून छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों को क्लैट के बाद के परिदृश्य को समझने और पिछले वर्ष के परीक्षा रुझानों की समीक्षा करने के लिए मार्गदर्शन करने के लिए हम 11 दिसंबर 2023 को शाम 4 बजे ÷क्लैट 2024 के बाद क्या होगा÷ शीर्षक से एक-पर-एक परामर्श सत्र आयोजित करेंगे। इसके लिए छात्र हमारा लीगलएज लखनऊ केंद्र, हजरतगंज,लखनऊ ढ्ढ में आ सकते है या 9109108427 / 9109108172 पर कॉल करें, लीगलएज बाय टॉपरैंकर्स, लखनऊ केंद्र के प्रमुख जतिंदर वोहरा ने कहा। यह वन टू वन सत्र इच्छुक कानून अभ्यर्थियों को क्लैट 2024 परीक्षा के बाद उनके विकल्पों और रास्तों के बारे में मार्गदर्शन करेगा। कानून के क्षेत्र में प्रतिष्ठित वक्ताओं और अनुभवी पेशेवरों की उपस्थिति में, यह कार्यक्रम उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों, आगे की पढ़ाई के लिए रणनीतियों और क्लैट के बाद की यात्रा के लिए व्यावहारिक सलाह में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। टॉपरैंकर्स द्वारा लीगलएज 2021, 2022 और 2023 में ढ्ढक्र 1, 2, 3 जैसे परिणाम देने में लगातार रहा है, जबकि ढ्ढस्श्व क्क 2023 में ढ्ढक्र 8, 9 और 15 और ष्टरुञ्ज क्क 2023 में ढ्ढक्र 28, 65, 82 रहा है।

LEGALEDGE®
India's Best Institute for CLAT | Other Law Entrances
By Toprankers

कांस्टेबल शिवाली बनीं हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन की वीडियो एनालिस्ट

संवाददाता

कांगड़ा। ऊना जिले बंगाणा के लखरूंह गांव निवासी पुलिस कांस्टेबल शिवाली ठाकुर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की वीडियो एनालिस्ट बन गई हैं। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले बंगाणा के लखरूंह गांव निवासी पुलिस कांस्टेबल शिवाली ठाकुर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की वीडियो एनालिस्ट बन गई हैं। वीडियो एनालिस्ट बनने वाली वह पहली महिला कांस्टेबल हैं। वीडियो एनालिस्ट के लिए करीब 40 लोगों ने आवेदन किया था। परीक्षा धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में अगस्त में हुई थी। शिवाली धर्मशाला में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत हैं। उनके पति अरुण ठाकुर भी हिमाचल पुलिस में कांस्टेबल हैं और हिमाचल क्रिकेट संघ में अंपायर हैं। शिवाली ने बताया कि वीडियो एनालिस्ट बनने की प्रेरणा उन्हें पति से मिली। पति अरुण राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट खिलाड़ी रह चुके हैं।

एक नज़र

जंगल में घास लेने गए एक व्यक्ति को हाथी ने सूंड से उठाकर पटका

पनियाली बीट के जंगल में हुई घटना, घायल अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

कोटद्वार। लैंसडौन वन प्रभाग के अंतर्गत पनियाली बीट के जंगल से लकड़ी लेकर घर लौट रहे एक व्यक्ति को हाथी ने सूंड से उठाकर जमीन पर पटक दिया। साथ में गई अन्य महिलाओं और कुछ अन्य लोगों ने शोर मचाया तो हाथी जंगल की ओर भाग गया। गंभीर रूप से घायल को बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर वनकर्मियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल पूछा और घटना के बारे में जानकारी ली। रेंजर देवेंद्र काला ने बताया कि आमपड़ाव निवासी अरविंद कुमार (60) पुत्र किशन चंद्र बुधवार सुबह लकड़ी लेने के लिए पनियाली बीट के जंगल गए थे। दोपहर 12ञ्30 बजे वह लकड़ी लेकर घर लौट रहे थे तभी वहां अचानक हाथी आ धमका और अरविंद को सूंड पर उठाकर जमीन पर पटक दिया। हाथी ने वृद्ध पर दोबारा हमले की कोशिश की लेकिन इसी दौरान पीछे से घास लेकर आ रही महिलाओं ने शोर मचा दिया। साथ ही गिंवई स्रोत नहाने के लिए गए युवकों ने भी शोर मचाया तो हाथी जंगल की ओर भाग गया। हादसे में अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं रेंजर देवेंद्र काला ने बताया कि घायल को मुआवजा दिलाने के लिए रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है। घायल लकड़ी बीनने का काम करता था।

कौशल विकास निगम ने शुरू किए चार नए कोर्स, युवाओं मुफ्त मिलेगा प्रशिक्षण

PMKVY
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

चंबा। जिला चंबा के अलग-अलग प्रशिक्षण केंद्रों में चार प्रशिक्षण कार्यक्रम फरूट पल्प प्रोसेसिंग, अचार मेकिंग, फर्नीचर फीटिंग और काउंटर सेल्स एग्जिक्यूटिव शुरू हुए हैं। प्रदेश कौशल विकास निगम चंबा की ओर से ये कोर्स करवाए जाएंगे। इन कोर्सों की अवधि तीन माह रहेगी। इन कोर्सों के दौरान प्रशिक्षुओं को जहां निशुल्क प्रशिक्षण मिलेगा वहीं, आवासीय सुविधा के साथ खाने की सुविधा भी निशुल्क रहेगी। निगम द्वारा इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्वावलंबी बनाना है। ताकि प्रशिक्षण हासिल करने के बाद बेरोजगार युवा अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें। फरूट पल्प के तीन, काउंटर सेल्स एग्जिक्यूटिव का एक, फर्नीचर फीटिंग के दो बैच शुरू किए गए हैं। वहीं, प्रदेश कौशल विकास निगम की ओर से शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इसके तहत युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण से पहले युवाओं की काउंसलिंग की जाती है। इसके बाद युवाओं का चयन किया जाता है। निगम के जिला समन्वयक दीपक शर्मा ने बताया कि अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला में शुरू किए गए हैं। तीन माह इन कोर्स की अवधि रहेगी। प्रशिक्षण हासिल करने के बाद बेरोजगार अपना स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं।

50 बीघा से कम भूमि पर डे बोर्डिंग सुविधा वाले स्कूल खोलने की तैयारी, कैबिनेट में जाएगा प्रस्ताव

शिमला। प्रदेश में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों को 50 बीघा से कम भूमि पर भी खोलने की तैयारी है। राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल खोलने के नियम बदलने का कैबिनेट में प्रस्ताव जाएगा। हिमाचल प्रदेश में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों को 50 बीघा से कम भूमि पर भी खोलने की तैयारी है। राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल खोलने के नियम बदलने का कैबिनेट में प्रस्ताव जाएगा। 18 चयनित स्थानों पर स्कूल खोलने की संभावनाएं देखकर शिक्षा विभाग की विशेष टीम लौट आई है। विशेष सचिव शिक्षा पंकज राय ने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर को इस बाबत अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। संभावित है कि शुक्रवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में इसको लेकर चर्चा होगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि स्कूल निर्माण के लिए 50 बीघा भूमि ऐसे स्थानों पर मिल रही है जहां तक बच्चों का पहुंचना मुश्किल होगा। गांवों से काफी दूरी पर ऐसे स्थान हैं। शहरी क्षेत्रों में इतनी अधिक भूमि भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ऐसे में योजना के नियमों को बदलना जरूरी हो गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वर्ष 2023-24 के बजट भाषण में राज्य में शिक्षा के स्तर को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूलों को खोलने का ऐलान किया है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में इन स्कूलों के निर्माण के लिए 18 जगह चुनी गई हैं। इन स्थानों का निरीक्षण कर रिपोर्ट बनाने का जिम्मा सरकार ने विशेष सचिव शिक्षा पंकज रॉय को सौंपा है। योजना के तहत पहले चरण में 18 माह के भीतर प्री नर्सरी से पांचवीं कक्षा के ब्लॉक तैयार किए जाएंगे। राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों में प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक लगभग 900 से 1000 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता होगी। इन स्कूलों में हाई-टेक स्मार्ट क्लासरूम, खेल के मैदान, इंडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल, म्यूजिक रूम सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या के विरोध में इंदौर में भी प्रदर्शन, धरने पर बैठे कार्यकर्ता

संवाददाता

इंदौर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह परिहार ने कहा कि आरोपियों को कड़ी सजा मिलना चाहिए। पुलिस को हत्याकांड की बारिकी से जांच करना चाहिए। ताकि यह पता चल सके कि हत्या के पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामड़ी की हत्या के खिलाफ मध्य प्रदेश में भी कई स्थानों पर प्रदर्शन हुए। इंदौर में भी करणी सेना के हजारों कार्यकर्ता एक जुट हुए और कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे। उन्होंने कहना था कि गोगामड़ी के हत्या साजिश के तहत की गई है। पुलिस को उनके हत्यारों का एनकाउंटर करना चाहिए। सेना के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि गोगामड़ी को पुलिस सुरक्षा दी जाती तो यह घटना नहीं होती। कार्यकर्ता काफी देर तक धरने पर भी बैठे रहे। जयपुर में घर में घुसकर करणी सेना के अध्यक्ष गोगामड़ी की हत्या से राजपूत समाज बेहद नाराज है। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के बाहर राजपूत समाज और करणी सेना के कार्यकर्ता एकत्रित हुए और नारेबाजी कर अपना गुस्सा जाहिर किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह परिहार ने कहा कि आरोपियों को कड़ी सजा मिलना चाहिए। पुलिस को हत्याकांड की बारिकी से जांच करना चाहिए। ताकि यह पता चल सके कि हत्या के पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। करनी सेना के जिला अध्यक्ष ऋषि राज सिंह सिसोदिया ने कहा कि आरोपियों के मकान को बुलडोजर से तोड़ा जाना चाहिए। यदि आरोपियों को कड़ी सजा नही दी गई तो फिर समाज उग्र आंदोलन कर सकता है। कलेक्टर इलैया राजा ने राजपूत समाज से ज्ञापन लिया। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन के कारण यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। महूनाका से जूनी इंदौर की तरफ वाहनों की आवाजाही रुक गई थी। कई बार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी।

उत्तराखंड में अब स्कूली बच्चों को आधार की तरह जारी होगा परमानेंट एजुकेशन नंबर, होंगे ये फायदे

एजेंसी

देहरादून। वर्तमान में कक्षा नौ और कक्षा 11वीं में बच्चों को स्कूल में पंजीकरण करना होता है। लेकिन, यूडाइज पोर्टल अपडेट होने के बाद कक्षा एक से ही बच्चे को एक परमानेंट एजुकेशन नंबर जारी कर दिया जाएगा, जो 12वीं तक मान्य रहेगा। आने वाले समय में किसी भी स्कूल से बच्चों की गलत या फर्जी टीसी जारी नहीं की जा सकेगी। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडाइज) पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। उसके बाद कक्षा एक से 12वीं तक के स्कूली बच्चों को आधार की तर्ज पर एक परमानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) जारी किया जाएगा। इसी नंबर से बच्चों को टीसी जारी की जाएगी। वर्तमान में कक्षा नौ और कक्षा 11वीं में बच्चों को स्कूल में पंजीकरण करना होता है। लेकिन, यूडाइज पोर्टल अपडेट होने के बाद कक्षा एक से ही बच्चे को एक परमानेंट एजुकेशन नंबर जारी कर दिया जाएगा, जो 12वीं तक मान्य रहेगा। पोर्टल में न सिर्फ बच्चों बल्कि स्कूल व शिक्षकों का डाटा भी उपलब्ध कराना होगा। स्कूल का डाटा अपलोड होने के बाद छात्रों को नंबर जारी किया जाएगा। जो विद्यार्थी कक्षा-तीन या छह में पढ़ रहा होगा उसके लिए उसी कक्षा से 12वीं तक के लिए पीईएन जारी हो जाएगा।

दो स्कूल में नहीं पढ़ा सकेंगे एक शिक्षक

पोर्टल में शिक्षकों का डाटा अपलोड होने के बाद एक शिक्षक सिर्फ एक ही स्कूल में पढ़ा सकेगा। जबकि, विद्यार्थियों से जुड़ी सभी जानकारी इस पोर्टल पर स्कूल ही अपलोड करेगा। वर्तमान में छात्रों को पहले कक्षा-नौ फिर 11वीं में पंजीकरण कराना होता है। अगर परमानेंट एजुकेशन नंबर मिलता है तो छात्र का एक ही बार रजिस्ट्रेशन होगा जिसका नंबर 12वीं तक मान्य होगा। केंद्र सरकार की गाइडलाइन जारी होने के बाद बोर्ड की ओर से इस ओर काम शुरू किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से यूडाइज पोर्टल को अपडेट किया जा रहा है। पोर्टल के अपडेट होने के बाद सभी स्कूल के शिक्षक व छात्रों का डाटा आसानी से एक क्लिक पर उपलब्ध होगा। इससे टीसी का फर्जीवाड़ा भी रुकेगा। जल्द ही प्रदेशभर में भी इस पर काम शुरू किया जाएगा।

50 बीघा से कम भूमि पर डे बोर्डिंग सुविधा वाले स्कूल खोलने की तैयारी, कैबिनेट में जाएगा प्रस्ताव

शिमला। प्रदेश में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों को 50 बीघा से कम भूमि पर भी खोलने की तैयारी है। राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल खोलने के नियम बदलने का कैबिनेट में प्रस्ताव जाएगा। हिमाचल प्रदेश में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूलों को 50 बीघा से कम भूमि पर भी खोलने की तैयारी है। राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल खोलने के नियम बदलने का कैबिनेट में प्रस्ताव जाएगा। 18 चयनित स्थानों पर स्कूल खोलने की संभावनाएं देखकर शिक्षा विभाग की विशेष टीम लौट आई है। विशेष सचिव शिक्षा पंकज राय ने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर को इस बाबत अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। संभावित है कि शुक्रवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में इसको लेकर चर्चा होगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि स्कूल निर्माण के लिए 50 बीघा भूमि ऐसे स्थानों पर मिल रही है जहां तक बच्चों का पहुंचना मुश्किल होगा। गांवों से काफी दूरी पर ऐसे स्थान हैं। शहरी क्षेत्रों में इतनी अधिक भूमि भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ऐसे में योजना के नियमों को बदलना जरूरी हो गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वर्ष 2023-24 के बजट भाषण में राज्य में शिक्षा के स्तर को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूलों को खोलने का ऐलान किया है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में इन स्कूलों के निर्माण के लिए 18 जगह चुनी गई हैं। इन स्थानों का निरीक्षण कर रिपोर्ट बनाने का जिम्मा सरकार ने विशेष सचिव शिक्षा पंकज रॉय को सौंपा है। योजना के तहत पहले चरण में 18 माह के भीतर प्री नर्सरी से पांचवीं कक्षा के ब्लॉक तैयार किए जाएंगे।

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर दो लोगों ने रेलवे स्टेशन पर खड़ी महिला के साथ किया दुष्कर्म, तलाश जारी

संवाददाता

अशोकनगर। अशोकनगर जिले के मुंगावली रेलवे स्टेशन पर दो लोगों ने खुद को जीआरपी अफसर बताते हुए महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला अपने पति के साथ स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। अशोकनगर में महिलाओं के साथ अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। पिछले पांच दिन में मुंगावली शहर में लगातार महिलाओं के साथ अपराध देखने को मिल रहे हैं। बुधवार रात को ही मुंगावली एरिया के तहत आने वाले मड़ाऊ खेड़ी गांव में एक नाबालिग के साथ तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था तो वहीं शुक्रवार रात को भी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे दंपती महिला के साथ जीआरपी स्टॉफ बनकर आए लोगों ने दुष्कर्म किया है। बता दें कि मुंगावली की रेलवे स्टेशन के पास एक 30 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता रेलवे स्टेशन पर अपने पति के साथ ट्रेन आने का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान दो लोग आए और आकर कहने लगे कि वह लोग जीआरपी स्टॉफ से हैं। पति से बोले कि तुम्हें सहाब बुला रहे हैं। पति के जाते ही उधर दूसरे व्यक्ति ने झाड़ियों में महिला को ले जाकर बारी-बारी से दोनों ने दुष्कर्म किया। घटना शुक्रवार की रात करीब 11 बजे की है। चंदेरी थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला और उसका पति दोनों जयपुर मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। रात के समय भोपाल जोधपुर ट्रेन से जाना था, लेकिन उनके स्टेशन तक पहुंचने से कुछ समय पहले ही ट्रेन चली गई, जिसके बाद वह अगली ट्रेन आने का स्टेशन पर ही रुककर इंतजार करने लगे। देर रात स्टेशन पर चहल-पहल काफी कम होने लगी। रात करीब 11 बजे दो लोग आए, जिनमें से एक व्यक्ति अपने चेहरे को कपड़े से ढके हुए था। दोनों जाकर पहले तो पास में बैठे रहे, फिर उन दोनों के टिकट चेक करने लगे। आधार कार्ड चेक किया, पूछा तुम कहां जा रहे हो। पति-पत्नी ने कहा कि उनकी ट्रेन चूक गई है अगली ट्रेन आएगी, उसी समय वह टिकट लेकर ट्रेन से जाएंगे। इसके बाद एक व्यक्ति महिला के पति से बोला कि तुम बिना टिकट हो, साहब बुला रहे हैं। वह पति को लेकर कुछ दूर चला गया, जबकि दूसरा व्यक्ति महिला के पास ही खड़ा था, वह कुछ देर बाद कहने लगा कि तुम भी वहीं पर चलो, तुमको भी सहाब बुला रहे हैं। इसके बाद वह महिला को वहां से स्टेशन के पीछे झाड़ियां में ले गया जहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद पति को छोड़कर दुसरा व्यक्ति भी आ गया, उसने भी दुष्कर्म किया। घटना के बाद महिला स्टेशन पर पहुंची, जहां पर कुछ देर बाद कोई व्यक्ति स्टेशन की ओर बाइक से आ रहा था उसे देख दोनों वहां से भाग गए। फिर पीड़िता ने डायल 100 पर उसके साथ हुई घटना की जानकारी दी। रात के समय ही मुंगावली पुलिस स्टेशन पर पहुंची और अशोकनगर जीआरपी पुलिस को सूचना दी गई। सुबह पांच बजे जीआरपी पुलिस स्टेशन पर पहुंची और महिला और उसके पति को ट्रेन से अशोकनगर लेकर आए, जहां पर पीड़िता की शिकायत पर दोनों अज्ञात आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है।

भारतीय महिला टीम सीजन का पहला मैच हारी

इंग्लैंड ने पहले टी-20 में 38 रन से हराया, ब्रंट की अर्धशतकीय पारी

एजेंसी

मुंबई। भारतीय महिला टीम को सीजन के पहले ही मुकाबले में पराजय का सामना करना पड़ा है। टीम को इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में 38 रन से हराया। इस जीत से इंग्लिश टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 197 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 159 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से नैटली सीवर ब्रांट ने दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने 53 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। साथ ही एक विकेट भी हासिल किया। इस प्रदर्शन के लिए ब्रंट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

दबाव का फायदा नहीं उठा सकी भारतीय गेंदबाज

इंग्लैंड की टीम ने पहले ही ओवर में 2 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन शेष गेंदबाज पावरप्ले और मिडिल ओवर्स में इस दबाव का फायदा नहीं उठा सकीं। इंग्लिश टीम का तीसरा विकेट 16वें ओवर के गिरा। इंग्लिश ओपनर डैनी व्याट (75 रन) ने नेटली सीवर ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 138 की पार्टनरशिप की। 11वें ओवर में श्रेयंका पाटिल ने ब्रंट और पूजा वस्त्राकर ने वॉट के कैच छोड़े।

टीम इंडिया ने लगातार विकेट गंवाए

198 रन का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय टीम को 20 रन पर पहला झटका लगा, जब ओपनर स्मृति मंधाना 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। उसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। ओपनर शेफाली वर्मा ने कुछ देर टिक कर बल्लेबाजी की और 42 बॉल पर 52 रन बनाए। लेकिन उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। कप्तान हरमनप्रीत कौर 26 और विकेटकीपर ऋचा घोष ने 21 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर सोफी एक्लेस्टन ने 3 विकेट झटके।

पाकिस्तान विमेंस टीम पहली बार न्यूजीलैंड से टी-20 सीरीज जीती

दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 10 रन से धोया, आलिया प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान विमेंस क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मैच में मंगलवार, 5 नवंबर को न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम को 10 रन से हरा दिया। इस सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इसी के साथ पाक टीम सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। सीरीज में इस बढ़त के साथ टीम ने एक उपलब्धि हासिल कर ली। पाक पहली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती। वहीं यह एशिया और आयरलैंड के बाहर पाकिस्तान की पहली टी-20 इंटरनेशनल सीरीज जीत है। टीम को पांच साल बाद घर से बाहर टी-20 सीरीज जितने में कामयाबी मिली है। टीम ने इससे पहले 2018 में आखिरी बार घर के बाहर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज जीती थी।

पहले बैटिंग करते हुए पाक टीम ने 137 रन बनाए

दूसरे मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 137 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड सात विकेट खोकर 127 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की इस जीत में आलिया रियाज और फातिमा सना ने अहम भूमिका निभाई। टीम के लिए मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 28 गेंदों पर 35 रन की पारी खेली। उनके अलावा आलिया ने 22 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए। न्यूजीलैंड टीम की तरफ से फ्रान जोनास और मॉली पेनफोल्ड ने 2-2 विकेट लिए।

फातिमा सना ने 3 विकेट लिए

पाकिस्तान से मिले 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में सूजी बेट्स, सोफी डिवाइन समेत 4 विकेट गंवाए। हन्ना रोवे ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। जॉर्जिया प्लिमर ने 28 गेंदों में 28 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई भी खिलाड़ी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। पाकिस्तानी के लिए फातिमा सना ने 3 विकेट लिए, तो वहीं सादिया इकबाल ने दो विकेट लिए। निदा डार को एक विकेट मिला।

वोज्नियाकी को मिला वाइल्ड कार्ड दोनों बच्चों को साथ लेकर आएंगी

मेलबर्न। तीन साल के ब्रेक के बाद 33 वर्ष की वोज्नियाकी अगस्त में ही कोर्ट पर लौटी हैं। उन्होंने मांट्रियल और सिनसिनाटी में खेला और अमेरिकी ओपन में चौथे दौर तक पहुंचीं जहां उन्हें कोको गॉफ ने हराया।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिन वोज्नियाकी को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। वह सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम में अपने दोनों बच्चों को लेकर आने की सोच रही हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2018 विजेता वोज्नियाकी और ऑस्ट्रेलिया के छह खिलाड़ियों को पहले चरण में वाइल्ड कार्ड दिए गए। तीन साल के ब्रेक के बाद 33 वर्ष की वोज्नियाकी अगस्त में ही कोर्ट पर लौटी हैं। उन्होंने मांट्रियल और सिनसिनाटी में खेला और अमेरिकी ओपन में चौथे दौर तक पहुंचीं जहां उन्हें कोको गॉफ ने हराया। वोज्नियाकी ने कहा कि वह अपनी बेटी ओलिविया और बेटे जेम्स को लेकर आएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें यहां लेकर आऊंगी। इसे लेकर काफी रोमांचित हूं।'

क्या वॉर्नर की तरह पाक के खिलाफ सीरीज के बाद टेस्ट से संन्यास लेंगे स्मिथ?

एजेंसी

सिडनी। स्मिथ ने अब तक 102 टेस्ट, 155 वनडे और 65 टी20 खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 58.62 की औसत से 9320 रन हैं। इनमें 32 शतक और 39 अर्धशतक हैं। 155 वनडे में स्मिथ के नाम 43.54 की औसत से 5356 रन हैं। इनमें 12 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। टीम के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन के डेविड वॉर्नर पर हमले के बाद से लगातार कई खुलासे हो रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज वॉर्नर की आखिरी रेड बॉल सीरीज होगी। इसके बाद वह सिर्फ सीमित ओवरों के मैच में खेलते दिखेंगे। इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई थी कि यह 34 साल के स्टीव स्मिथ की भी आखिरी टेस्ट सीरीज हो सकती है। हालांकि, इन अफवाहों का स्मिथ के मैनेजर ने खंडन किया है। उनके मैनेजर का कहना है कि स्मिथ टेस्ट क्रिकेट से रिटायर होने नहीं जा रहे हैं।

स्टीव स्मिथ अभी भी टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया टीम के साथ अपने कुछ लक्ष्य को पूरा करना चाहते हैं और वह इस फॉर्मेट में 10 हजार रन पूरे करने के भी बेहद करीब हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्मिथ 2024 में वेस्टइंडीज-अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना चाहते हैं। यह टूर्नामेंट जून में खेला जाएगा। इसके अलावा वह 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज भी खेलना चाहते हैं।

स्टीव स्मिथ के मैनेजर वॉरेन क्रेग ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, %मैं आपको फिलहाल इतना बता सकता हूं कि वह अभी तो रिटायर नहीं हो रहे हैं। वह अभी भी राष्ट्रीय टीम के साथ बहुत कुछ हासिल करना चाहते हैं।% स्मिथ ने अब तक 102 टेस्ट, 155 वनडे और 65 टी20 खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 58.62 की औसत से 9320 रन हैं। इनमें 32 शतक और 39 अर्धशतक हैं। 155 वनडे में स्मिथ के नाम 43.54 की औसत से 5356 रन हैं। इनमें 12 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। टी20 में उनके नाम 1079 रन हैं। इनमें पांच अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा स्मिथ ने 103 मैचों में 128.09 के स्ट्राइक रेट से 2485 रन बनाए हैं।

इससे पहले वॉर्नर ने एलान किया था कि वह पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद इस प्रारूप से संन्यास ले लेंगे। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न और तीसरा टेस्ट तीन जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। वॉर्नर हाल ही में अपनी इस फेयरवेल सीरीज के लिए मिचेल जॉनसन के निशाने पर आ गए थे। जॉनसन ने कहा था कि खराब फॉर्म में होने के बावजूद चयनकर्ताओं ने वॉर्नर को टेस्ट टीम में शामिल किया। सैंडपेपरगेट स्कैंडल जैसे विवादों में फंसे होने के बावजूद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया वॉर्नर को फेयरवेल मैच दे रहा है। टीम टैलेंट के आधार पर नहीं, बल्कि मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली से नजदीकियों के आधार पर चुनी जा रही है।

ये दर्द कहीं सायटिका तो नहीं! जानें लक्षण और उपाय

नई दिल्ली। सायटिका नर्व पीठ के पिछले हिस्से से शुरू होती है और प्रत्येक पैर के पीछे तक जाती है। यह नर्व घुटने के निचले और पैर के पिछले हिस्सों को नियंत्रित करती है। इन नसों में जहां-जहां सूजन होती है, वहां-वहां दर्द होता है।

अक्सर महिलाओं को कमर में दर्द होता है, जिसको वे नजरअंदाज कर देती हैं। लेकिन कई बार यह किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। शरीर का दर्द कई बार असहनीय होता है, लेकिन महिलाएं इसे नजरअंदाज कर देती हैं। कई बार शरीर का यह भयंकर दर्द 'सायटिका' हो सकता है। वैसे तो सायटिका एक सामान्य समस्या है, लेकिन इसे गंभीरता से लेना जरूरी है, क्योंकि इसमें पैर और लोअर बैक सुन्न पड़ सकते हैं और आपको कमजोरी महसूस हो सकती है। पैरों में दर्द या सायटिका का लक्षण प्रायः 40 साल की उम्र के बाद दिखाई देता है, लेकिन आजकल बदलती जीवन-शैली ने कम उम्र में भी लोगों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है।

क्यों होता है सायटिका?

किसी भी मरीज को सायटिका का दर्द तब होता है, जब सायटिका तंत्र पर दबाव पड़ता है या इसकी क्षति होती है। सायटिका नर्व पीठ के पिछले हिस्से से शुरू होती है और प्रत्येक पैर के पीछे तक जाती है। यह नर्व घुटने के निचले और पैर के पिछले हिस्सों को नियंत्रित करती है। इन नसों में जहां-जहां सूजन होती है, वहां-वहां दर्द होता है। सायटिका का दर्द कभी भी नसों के दबने से नहीं होता, बल्कि नसों के बीच गद्दों में भरे जेल के निकलने से होता है। नसों के दबने से पैरों में कमजोरी होती है, लेकिन महसूस नहीं होती है।

उम्र भी एक कारण

सायटिका का दर्द उम्र के साथ बढ़ता है, क्योंकि यह अधिक उम्र के साथ होने वाली समस्या है। लेकिन कभी-कभी कम उम्र में इस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कई बार शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने से भी इस तरह के दर्द का सामना करना पड़ता है।

दिखते हैं ये लक्षण

सायटिका में तेज दर्द के अलावा शुरुआती दिनों में झनझनाहट और जलन होती है। साथ ही दर्द अक्सर एक तरफ होता है, जो पिंडलियों और पैर के तलवे में होता है। सायटिका से पीड़ित व्यक्ति के पैर में कमजोरी महसूस होती है। खड़े होने और बैठने में दर्द महसूस होता है। दिन के एक निश्चित समय के दौरान खांसने-छींकने पर भी दर्द हो सकता है।

करें ये उपाय

यह दर्द आपके लिए ज्यादा परेशानी खड़ी न करे, इसके लिए आप हमेशा गद्देदार बिस्तर का इस्तेमाल न करें। साथ ही रोजाना एक्सरसाइज करें। सायटिका से बचने के लिए रीढ़ की हड्डी का लचीला होना जरूरी है, इसलिए रीढ़ की एक्सरसाइज जरूर करें। दर्द की शुरुआत में भी कड़े व्यायाम शुरू न करें, इससे आपको परेशानी हो सकती है। आप हल्के व्यायाम शुरू करें और उन्हें जारी रखें।

सर्दियों में खास ख्याल

सर्दियों के मौसम में सायटिका की परेशानी काफी बढ़ जाती है। ऐसे में आपको धूप सेंकना चाहिए, खुद को ढक कर और गरम रखने की कोशिश करनी चाहिए। कम उम्र में इस तरह की समस्या खुद भी ठीक हो जाती है, लेकिन 90 दिन की फिजियोथैरेपी से मरीज को राहत मिलती है।

व्यायाम और खान-पान
डॉ. अनुपम सचान
वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

सायटिका का दर्द कई मरीजों के लिए असहनीय तो जरूर होता है, लेकिन उचित खान-पान और व्यायाम से इस मुश्किल से बचा जा सकता है। नियमित व्यायाम करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं, इसलिए ऐसे में रोज व्यायाम करें। साथ ही झटके से बचें और सावधानी से काम करें। सायटिका मूलतः डिस्क के उस हिस्से के फटने से होता है, जहां वर्टिब्रा कमजोर हो जाती है। हड्डियों में कैल्शियम और विटामिन डी की मात्रा ठीक होने से वे मजबूत होती हैं और इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। इसके लिए आप खान-पान का ख्याल रखें। हमेशा हरी साग-सब्जियों, ज्वार, बाजरा और रागी का सेवन करें। इनको जीवन-शैली में गेहूं और चावल के साथ जोड़ें।

हार्ट अटैक ही नहीं हृदय की इन समस्याओं ने भी इस साल किया परेशान

नई दिल्ली। हृदय रोग, वैश्विक स्तर पर गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनकर उभर रहे हैं। कुछ दशकों पहले तक हार्ट की बीमारियों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कतों के तौर पर जाना जाता था, हालांकि अब कम आयु के लोग भी इसके शिकार होते जा रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में हार्ट की समस्याओं का निदान किया जा रहा है। साल 2023 में हार्ट की समस्याओं पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों में पिछले कुछ वर्षों, विशेषतौर पर कोरोना महामारी के बाद हार्ट की समस्याएं अधिक रिपोर्ट की जा रही हैं। इस साल में अब कुछ दिन ही शेष हैं, जल्द ही हम नए वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। डॉक्टर कहते हैं, हृदय स्वास्थ्य की चुनौतियां अभी कम नहीं हुई हैं, साल 2024 में इसपर कंट्रोल पाया जा सके इसलिए जरूरी है कि हम सभी हार्ट को स्वस्थ रखने के लिए लगातार प्रयास करते रहें। हार्ट अटैक ही नहीं हृदय की कई समस्याओं ने इस पूरे साल सभी को परेशान किया है। आइए इसपर एक नजर डालते हैं और इससे सीख लेते हुए अगले साल में हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी तरीके जानते हैं।

हार्ट अटैक से बढ़े मौत के मामले

साल 2023 में आपने भी हार्ट अटैक के कई मामलों के बारे में जरूर सुना होगा। बड़ी संख्या में लोग इसके शिकार हुए। जनवरी के शुरुआती दिनों में, देश में जारी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पंजाब में दिल का दौरा पड़ने से जालंधर से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह का निधन हो गया है। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन को भी हार्ट अटैक पड़ा, जिसके बाद एंजियोप्लास्टी हुई और स्टेंट लगाई गई, जिसके बारे में मार्च में उन्होंने मीडिया से बताया। देशभर में इस पूरे साल हार्ट अटैक के मामले रिपोर्ट किए जाते रहे। गुजरात राज्य के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने एक रिपोर्ट में बताया कि पिछले छह महीनों में प्रदेश में दिल का दौरा पड़ने से कुल 1,052 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 80 प्रतिशत मृतक 11-25 आयु वर्ग के थे। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ह्रष्टक्रक्च) के अनुसार, साल 2022 में दिल के दौरे के मामलों में 12.5त्न की आश्चर्यजनक वृद्धि हुई, ये गति 2023 में भी जारी रही।

कार्डियक अरेस्ट बना मौत का कारण

हार्ट अटैक के साथ-साथ हृदय रोगों की अन्य समस्याओं ने भी लोगों को खूब परेशान किया, कार्डियक अरेस्ट भी उनमें से एक था। अगस्त के महीने में पेपरफ्राई कंपनी के को-फाउंडर अंबरीश मूर्ति की लेह में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई, वह 44 साल के थे। इसी तरह 33 वर्षीय ब्राजीलियन इंफ्लुएंसर लारिसा बोर्गेस की भी डबल कार्डियक अरेस्ट से मौत की खबर ने लोगों को चौंका दिया।

हार्ट अटैक-कार्डियक अरेस्ट एक ही नहीं

गौरतलब है कि कार्डियक अरेस्ट और हार्ट अटैक दोनों ही हार्ट की समस्याएं हैं। हार्ट अटैक, कोरोनरी धमनियों के अवरुद्ध हो जाने के कारण होने वाली समस्या है। यदि इस स्थिति को अनुपचारित छोड़ दिया जाए तो हृदय तक रक्त का प्रवाह रुक जाता और पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। वहीं कार्डियक अरेस्ट तब होता है जब व्यक्ति का हृदय रक्त को पंप करना ही बंद कर देता है। इस स्थिति में रोगी सामान्य रूप से सांस नहीं ले पाता है।

एन्यूरिज्म भी बड़ा खतरा

हृदय रोगों की समस्याओं के बारे में बात करते समय अधिकतर चर्चा हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट की ही की जाती है, पर क्या आप जानते हैं कि एन्यूरिज्म भी आपके लिए बड़ा खतरा हो सकता है। जर्मन फिटनेस इंफ्लुएंसर और बॉडीबिल्डर जो लिंडनर की इसी साल जुलाई में मौत हो गई, वह महज 30 साल के थे। लिंडनर को एन्यूरिज्म की समस्या थी। एन्यूरिज्म को धमनीविस्फार भी कहा जाता है। यह धमनियों की दीवार में कमजोरी के कारण इसमें होने वाले विस्तार की समस्या है। इससे धमनियों में ब्रेक हो जाता है जो घातक जटिलताओं को जन्म दे सकती है। एन्यूरिज्म के बढ़ते जोखिमों को लेकर डॉक्टर अलर्ट करते हैं।

GEN-Z वाले रहें अलर्ट

उम्र आधारित हृदय रोगों की समस्याओं के जोखिम को जानने के लिए किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि त्नश्वह्र-ं समूह के लोगों में गंभीर हृदय रोग और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का जोखिम काफी तेजी से बढ़ा है। बचपन और किशोरावस्था में मोटापा या अधिक बीएमआई की समस्या हृदय रोगों को बढ़ा रही है। इसके अलावा युवाओं-वयस्कों में ब्लड प्रेशर की दिक्कत भी बढ़ी है जिसे हृदय रोगों के लिए एक कारण माना जाता है।

2024 में कैसे रखें हार्ट का ख्याल

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने छह उपाय बताएं हैं जिसका सभी लोगों के लिए पालन करते रहना आवश्यक है। साल 2024 में इन बातों के पालन का निश्चय करें। स्वस्थ आहार, प्लांट बेस्ड डाइट का सेवन अधिक करें। सक्रिय रहें, नियमित व्यायाम की आदत बनाएं। वजन को कंट्रोल रखने के लिए उपाय करें। धूम्रपान और सेकेंड हैंड धूम्रपान दोनों से दूर रहें। कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप की नियमित जांच कराएं और इसे नियंत्रित रखने के उपाय करें।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।